जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 134 प्रभात जालोर, रविवार 21 अगस्त, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

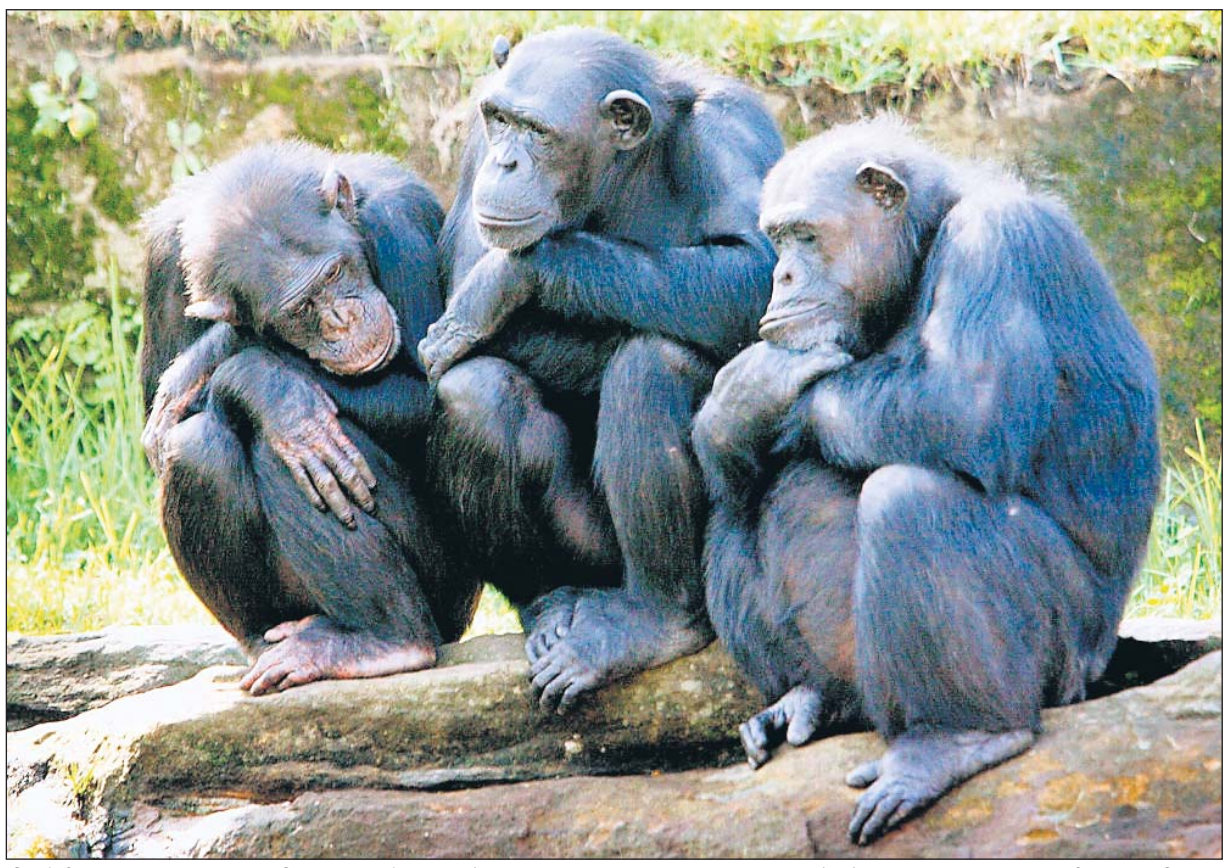

चिम्पैंज़ी आश्चर्यजनक रुप से होशियार होते हैं। इन्हें औजारों के साथ काम करते हुए देखा गया है और ये अलग-अलग प्रकार की आवाज़ निकाल कर संवाद भी करते हैं। युवा चिम्पैंज़ी अधिकतर अपने बड़ों से सोशल लर्निंग के जरिए संवाद करना और औजारों का उपयोग करना सीखते हैं। हाल ही में शोधकर्ताओं ने वाइल्ड ईस्ट अफ्रीकन चिम्पैंज़ी के एक समूह को कुएं खोदते हुए देखा। उन्होंने पाया कि समूह के सदस्यों ने यह सब एक अन्य समूह से आए प्रवासी चिम्पैंज़ी को देखकर सीखा था। जर्नल प्राइमेट्स में छपी इस चौंकाने वाली रिसर्च में बताया गया है कि, ऑनयोफी नाम की युवा मादा चिम्पैंज़ी वर्ष 2015 में "वायबीरा" समूह में आई थी। कुछ ही समय बाद शोधकर्ताओं ने उसे कुंआ खोदते हुए देखा। वैज्ञानिकों ने सोचा कि वायबीरा समूह में आने से पहले वह अवश्य ही कुंआ खोदने वाले चिम्पौंज़ी समूह में रहती होगी। ओनयोफी को कुंआ खोदते देखकर उस समूह के अन्य चिम्पौंज़ी, युवा एवं पूर्ण वयस्क, की भी इस व्यवहार में रुचि जगी। ताकतवर नरों ने जब उसे कुआं खोदते हुए और उससे पानी पीते हुए देखा तो बाद में उन्होंने भी उस कुएं से पानी पिया। फिर तो वायबीरा समूह की अन्य मादा चिम्पौंज़ी भी ऑनयोफी की तरह कुआं खोदने लगीं। किसी भी नर को कुआं खोदते हुए नहीं देखा गया। कुआं खोदने की यह प्रवृत्ति पहले शुष्क भागों में ही देखी जाती थी और शोधकर्ताओं को पहले से ही सवाना के तीन ऐसे चिम्पैंज़ी समूहों के बारे में जानकारी थी जो कुआं खोदते थे। शोधकर्ता हैला पीटर ने एक बयान में कहा, "हमने वायबीरा में जो देखा है वह सवाना में रहने वाले चिम्पैंज़ी समूहों से भिन्न है। पहला तो यह कि वायबीरा वर्षा वन है, और यह माना जाता है कि यहां पानी प्राप्त करना मुश्किल नहीं होना चाहिए। लेकिन ऐसा लगता है कि हर वर्ष कुछ महीनों में जब गर्मी पड़ती है तब संभवतया पानी हासिल करना मुश्किल हो जाता है। एक रोचक बात यह भी है कि वायबीरा में चिम्पौंज़ी ने जो कुंए खोदे हैं वे सब खुले जल स्रोतों के आस-पास हैं, इसका अर्थ है कि कुएं खोदने का आशय सिर्फ पानी हासिल करना नहीं बल्कि साफ पानी हासिल करना है।" पीटर ने कहा, चिंपैंज़ी को यह पता होना कि कुंए से साफ और अलग स्वाद का पानी मिल सकता है, बहुत ही दिलचस्प पहलू है। इससे साबित होता है कि वर्षा वनों में भी पानी की उपयोगिता कितनी ज्यादा है और इससे यह भी पता चलता है बदलती जलवायु से चिम्पैंज़ी व्यवहारात्मक अनुकूलन कर सकते हैं। अगर बारिश कम हो तो वो कुआं खोद सकते हैं।

राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिये गहलोत का नाम प्रस्तावित किया

सोनिया गांधी को दिये गये प्रस्ताव में राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी व स्वयं को कांग्रेस अध्यक्ष बनने की संभावना से दूर रखा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अगले अध्यक्ष के लिये अशोक गहलोत के नाम का सुझाव दिया है। उन्होंने यह सुझाव अपनी माँ सोनिया गांधी को दिया है क्योंकि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद के लिये अपनी तथा अपनी बहिन प्रियंका गांधी की सम्भावनाएं खारिज कर दी हैं।

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की अध्यक्षता का मुद्दा पूरी तरह खुला हुआ है। इस परिदृश्य में, या तो सोनिया गांधी स्वयं को पूर्ण कांग्रेस अध्यक्ष घोषित करें या परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति को इस पद पर लायें। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि लगता तो यही है कि उनकी दिली इच्छा पार्टी को किसी गैर-गांधी को सौंपने की तो नहीं है।

कल 21 अगस्त है, जिस दिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरु होनी है लेकिन अभी तक, इससे सम्बंधित किसी प्रकार समयबद्ध कार्यक्रम की घोषणा नहीं हुई है तथा ऐसी कोई गतिविधि भी नजर नहीं आ रही कि चुनाव से सम्बंधित किसी प्रकार की कोई कार्यवाही होने जा रही है।

ऐसी संभावना है कि अनिश्चितता तथा किंकर्तव्यविमूढ़ता के इस वातावरण में, कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव आगे खिसक सकता है। पार्टी ने "भारत जोड़ो यात्रा" की तिथि भी पहले खिसकाकर 7 सितम्बर कर दी है। इस दिन राहुल गांधी यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करने के लिये कन्याकुमारी में होंगे तथा वे इस यात्रा में शामिल भी होंगे।

लेकिन प्रश्न यह है कि राहुल वहाँ किस हैसियत से जा रहे हैं तथा वे अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी लिये बिना, इस पद के अधिकारों का प्रयोग कब तक करते रहेंगे। वे कुछ समय से ऐसा ही करते आ रहे हैं तथा इसे देखकर लगता है कि कोई बदलाव होने वाला नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि राहुल ऐसा मानते हैं कि गहलोत एक वरिष्ठ नेता हैं तथा वे बहुत अनुभवी हैं तथा वे कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी को संभाल लेंगे। समझा जाता है कि राहुल ने सोनिया गांधी के समक्ष गहलोत का नाम जुलाई के अंत में ही प्रस्तावित कर दिया था, लेकिन चूंकि इस दिशा में आगे कोई भी हलचल नहीं हुई है, इसलिये इस बात की काफी संभावना है कि सोनिया गांधी राहुल के सुझाव से सहमत नहीं हुई है क्योंकि इस बात पूरी तरह अड़ी हुई हैं कि राहुल ही पार्टी की बागडोर संभालें। अगर गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बना दिये जाते हैं तो यह साफ है कि राजस्थान में नये मुख्यमंत्री के लिये मैदान खाली हो जायेगा, क्योंकि राज्य विधानसभा के चुनावों में लगभग एक वर्ष ही शेष है।

- **इस प्रस्ताव के बाद सोनिया गांधी के समक्ष दो ही विकल्प हैं या तो स्वयं पुनः पूर्णकालीन अध्यक्ष बनें या किसी गैर गांधी परिवार के नेता को अध्यक्ष पद संभलायें।**
- **राहुल गांधी ने यह प्रस्ताव सोनिया गांधी को जुलाई के अंत में दिया था।**
- **पर, इस प्रस्ताव पर आगे कोई कार्यवाही न होने का मतलब है कि, सोनिया गांधी राहुल के प्रस्ताव से सहमत नहीं और अभी भी राहुल गांधी को ही पार्टी अध्यक्ष के रूप में देखने के लिये कृत संकल्प हैं।**
- **21 अगस्त से कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने की घोषणा हुई थी, परन्तु इस दिशा में भी कोई हरकत नज़र नहीं आ रही तथा यह संभावना भी मजबूत होती नज़र आ रही है कि, कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम आगे खिसका दिया जाये।**

स्टैण्ड अप कमीडियन पर राजनीति छिड़ी कर्नाटक व तेलंगाना में

बैंगलोर में इस कमीडियन, मुन्नवर फारूकी का "शो" रद्द करवाया पुलिस ने, भाजपा की शिकायत पर

-लक्ष्मण वैंकेट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। कर्नाटक और तेलंगाना में एक साल से भी कम समय के अन्दर विधानसभा चुनाव होने हैं तथा इन दोनों ही राज्यों में विचारधारा कानून व्यवस्था तन्त्र को निम्न दिशा में ले जाती प्रतीत हो रही हैं।

दोनों ही राज्य स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूक़ी को बुलाने वाले थे। ज्ञातव्य है कि फारूक़ी इससे पहले कई अवसरों पर सत्ता पर कटाक्ष कर चुके हैं तथा कुछ समय के लिये जेल भी जा चुके हैं।

अब, बेंगलुरू के दक्षिणपंथी संगठनों तथा भाजपा ने उनके आगमन को लेकर उपद्रव शुरू कर दिया तथा उनका शो रद्द किये जाने की माँग की। और ये संगठन कामयाब भी रहे।

- **हैदराबाद (तेलंगाना) में फारूकी के "शो" को अनुमति ही नहीं दी, बल्कि स्थानीय भाजपा विधायक टी. राजा सिंह व उनके समर्थकों को हिरासत में ले लिया, फारूकी के "शो" से पहले, शांति भंग करने की आशंका में।**
- **विधायक व उनके समर्थकों को हिरासत में लेने से भाजपा ज्यादा दुखी नहीं है, क्योंकि इस कृत्य के बाद तेलंगाना सरकार पर "हिन्दु विरोधी" का तमगा आसानी से फिट किया जा सकता है तथा हिन्दू व गैर हिन्दुओं के बीच चुनाव जिताने वाला ध्रुवीकरण और भी आसान हो जाता है।**

लेकिन इसी प्रकार का एक और शो इसी व्यक्ति द्वारा बेंगलुरू में किया जाना था किन्तु बेंगलुरू प्रशासन तथा पुलिस का विचार, हैदराबाद प्रशासन के विचार से ठीक उलटा था।

ऐसा लगा कि बेंगलुरू में प्रशासन इस बात का इन्तजार कर रहा था कि कोई व्यक्ति इसकी शिकायत करे। आखिर, एक अल्पज्ञात दक्षिण पंथी संगठन 'जय श्री राम सेना संगठन' आगे आया तथा उसने कहा कि स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूक़ी द्वारा किये जाने वाले शो "डोंगरी दु नोवेयर" से हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को आघात लगेगा। पुलिस ने शुक्रवार को होने वाले इस शो को आनन-फानन में रद्द कर दिया।

पिछले साल नवम्बर में भी, बेंगलुरू में फारूक़ी का एक शो इसी प्रकार रद्द कर दिया गया था।

लेकिन तेलंगाना की राजधानी, हैदराबाद में, दक्षिणपंथी, संगठनों तथा भाजपा कार्यकर्ता, शो के स्थान पर आग लगा देने की धमकी दे रहे थे, वहां एक अलग सोच उभरी। पुलिस तुरन्त हरकत में आ गई। तेलंगाना, जहाँ तेलंगाना राष्ट्र समिति, जिसने अभी हाल ही में क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को चुनौती दे रखी है, की सत्ता है। इसलिये तेलंगाना राष्ट्र समिति ने इस आयोजन का समर्थन कर दिया तथा पुलिस ने भी आयोजन

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ई.डी. भी शामिल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। सी.बी.आई. ने एन्फोर्समैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) से कहा है कि वह निजी कारोबारियों को शराब व्यवसाय की छूट देने वाली दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में किए गए कथित भ्रष्टाचार में मनी लॉंड्रिंग के आरोपों की जांच करे।

- **दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ चल रही शराब नीति घोटाला जांच में ई.डी. भी शामिल हो गई है।**

सी.बी.आई. के एक अधिकारी ने बताया कि इस केस में एजेंसी ने जो एफ.आई.आर. दर्ज की थी, उसे उसने ई.डी. के साथ पहले ही साझा कर लिया है। उन्होंने बताया कि सी.बी.आई. ने कुछ आरोपियों को भी तलब किया हैं,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'भाजपा केजरीवाल में मोदी के खिलाफ सशक्त उम्मीदवार देखती है'

सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में इसी लय में कहा, "एक्साइज़ नीति" तो बहाना है, केन्द्र ने केजरीवाल सरकार की छवि खराब करने के लिये सिसोदिया के ठिकानों पर सी.बी.आई. के छापे मारे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। अब यह प्रामाणिक है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का महासंघर्ष नरेन्द्र मोदी और अरविन्द केजरीवाल के बीच होगा। भारतीय मतदाता पिछले संसदीय चुनावों में बड़ा बहुमत जुटाने वाली मोदी-शाह की शक्तिशाली जोड़ी के खिलाफ पिछले एक लम्बे समय से किसी चतुर और विश्वसनीय उम्मीदवार की प्रतीक्षा में थे।

उनकी प्रतीक्षा अब समाप्त हो गई लगती है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री तथा शिक्षा एवं आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया, जो कि कथित शराब लायसैंस घोटाले को लेकर चर्चा का केन्द्र बने हुए हैं, ने अपने राजनीतिक गुरू एवं मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के पक्ष में अन्ततः आवाज उठाई है।

जुझारू सिसोदिया, जिन पर आबकारी नीति में खामियों को लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों में सी.बी.आई. ने छापा मारा था, ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए स्थिति को तुलनात्मक रूप से सही करने की कोशिश की। भाजपा द्वारा उन पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर उन्होंने घोषणा की कि यह एक ढोंग के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि "भ्रष्टाचार बिल्कुल कोई मुद्दा नहीं था। इस पूरी कवायद का उद्देश्य कोविड-19 की वैश्विक महामारी के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- **सिसोदिया ने यह भी कहा कि, कुछ समय पूर्व आप सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन के ठिकानों पर "रेड" करके उन्हें गिरफ्तार किया है, अब शीघ्र ही वे भी गिरफ्तार किये जायेंगे।**
- **भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा, नयी एक्साइज़ पॉलिसी जारी करने के बाद, जब दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफैंस विंग ने जांच शुरू की, तो सिसोदिया ने एक्साइज़ पॉलिसी वापस ले ली। क्या यह कृत्य चोर की दाढ़ी में तिनके का मामला नहीं है।**

'भद्र व्यवहार'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का मोबाइल फोन, लैपटॉप और आबकारी नीति से सम्बंधित फाइलें जब्त कर लीं

- **दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सी. बी. आई. का धन्यवाद किया कि रेड के दौरान सी. बी.आई. अफसरों ने उनके परिवार के साथ भद्र व्यवहार किया।**

जिसे 30 जुलाई को रद्द कर दिया गया था। सी.बी.आई. ने शुक्रवार को 14 घंटे तक सिसोदिया के आवास पर तलाशी ली। शुक्रवार को सुबह स्पेशल सी.बी.आई. जज एम.के. नागपालन ने राउस स्वेन्यु कोर्ट में एक्साइज़ पॉलिसी घोटाले में सर्च वॉरंट जारी किया था। वॉरंट 17 अगस्त को दर्ज एफ.आई.

(शेष पृष्ठ 5 पर)

आज राजीव गांधी अठहत्तर वर्षीय वृद्ध जरूर होते, पर चेहरे पर संतुष्टि होती (1)

एक उत्साही युवा की भांति ही उन्होंने प्र.मंत्री बनने के बाद कहा था, "मुझे भी सपना देखने का अधिकार हैः भारत के भविष्य का सपना"

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। अगर राजीव गांधी जीवित होते, वे आज कुछ बुर्जुग दिखाई देते। वे 78 साल के हो गये होते। लेकिन वे सदा-सर्वदा के लिये युवा ही बने रहेंगे, एक ऐसे युवा, जिन्होंने एक बार कहा था कि उन्हें सपने देखने का, खासतौर से भारत के बारे में सपने देखने का अधिकार हैं।

राजीव गांधी अनिच्छापूर्वक बने राजनेता थे। उन्हें उनकी माँ इन्दिरा गांधी राजनीति में लाई थीं। और जब उनसे पूछा गया कि कोलकाता के ए.आई.सी.सी. अधिवेशन में उनके इस नये "महासचिव" का प्रदर्शन कैसा रहा, तो वे बहुत नाराज हो गई थीं।

शाम के समय, प्रैस के साथ चल रही अनौपचारिक बातचीत के दौरान, एक पत्रकार द्वारा पूछ लिये गये इस प्रश्न को तत्कालीन प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत अपमान के रूप में ले लिया था। राजीव गांधी चन्द रोज पहले ही कांग्रेस पार्टी में महासचिव के रूप में शामिल किये गये थे, और ईमानदारी की बात तो यह है कि तब उनके प्रदर्शन के बारे में लिखने जैसा कुछ भी नहीं था।

राजीव गांधी उस दिन सुबह के समय एक विशाल सभा में अपना पहला भाषण दे रहे थे। जब वे मंच से बोल रहे थे, तो एक तमाशा जैसा लग रहा था- आँकड़े और सूचनाएँ आपस में गड्डमड्ड हो रही थी। प्रणव मुखर्जी, जो उन्हें सहजता से बोलने में सहायता करने के लिये उनकी बगल में बैठे थे, उन्हें प्रोत्साहित करते जा रहे थे।

- **जो कुछ नन्हे-नन्हे कदम उन्होंने उठाये थे, टेलिकॉम, एयर लाइंस के क्षेत्र में, वे ही आधार बने भारत के आई.टी. सैक्टर की सफलता के।**
- **टेलीकॉम में सैम पित्रोदा का अनुभव व एक्सपरटीज़ काम आयी। राजीव गांधी के इण्डियन एयर लाइंस के पायलट के रूप में अनुभव ने इस सैक्टर को "लिब्रलाइज़" करने व आधुनिकता की ताजी बयार लाने व प्रसार करने में उपयोगी साबित हुए।**

लेकिन ऐसा होना ही नहीं था। प्रणव मुखर्जी आँकड़ों एवं विस्तृत विवरण के मामले में एक दम पक्के थे। और राजीव गांधी इसके ठीक विपरीत। आँकड़ों और तथ्यों पर उनकी कोई पकड़ नहीं थी। तथा सच तो यह है कि उन शुरूआती दिनों में, उन्हें इस बात की ज्यादा जानकारी भी नहीं थी कि अर्थव्यवस्था किस तरह चलती हैं।

लेकिन राजीव गांधी की सबसे बड़ी और खास बात उनका आकर्षण था। पूरा दिन गुजर जाने के बाद, शाम तक उनकी एक मद्र एंव शिष्ट व्यक्ति की छवि उभर कर आ चुकी थी, और उनके बारे में हर व्यक्ति की प्रतिक्रिया इसी प्रकार की थी। उनकी सोच एवं उद्देश्य अच्छे थे तथा भारत के भविष्य को लेकर उनकी सोच एवं स्वप्न आधुनिक था।

अगर भारत को प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी का 1984 से 1989 तक का छोटा सा कार्यालय नसीब नहीं हुआ होता, तो आज भारत की स्थिति बिल्कुल भिन्न होती। उन्होंने सैम पित्रोदा को अनेक टेक्नॉलजी-मिशनों का प्रमुख बनाया। इनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण मिशन था-टेलीकॉम मिशन।

सैम पित्रोदा टेलीकॉम-विशेषज्ञ थे तथा उन्होंने, उस समय की शब्दावली में, "सी डॉट" कहा जाता था। इसके जरिये ग्रामीण क्षेत्रों के लिये कुछ विशेष टेलीकॉम एक्सचेंज तथा व्यापक टेलीकॉम नैटवर्क विकसित हुआ। इसके अलावा, ऐसे अनेक कदम उठाये गये, जिनके द्वारा भारत की टेलीकॉम की रीढ़ में गुणात्मक परिवर्तन आया।

उसी समय में टैलीकॉम नैटवर्क्स को प्राइवेट सैक्टर्स के लिए धीरे-धीरे खोलने की शुरूआत हुई। इस एकमात्र कदम में टैलीकॉम सर्विस प्रावधान पर से सरकार का शिंकजा समाप्त करके उसे उदार बना दिया और देश में होने वाली आई.टी. क्रांति की नींव रख दी।

कुल मिलाकर, भरोसेपंद एवं

(शेष पृष्ठ 5 पर)

डॉक्टरों को "फ्रीबीज़"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट में दो दिन पहले यह यह सनसनीखेज खुलासा हुआ था कि कोविड-19 की महामारी के दौरान डोलो-650 दवाई लिखने के लिए डॉक्टर्स को 1 हजार करोड़ रूपए के उपहार स्वरूप दिए गए। पर शनिवार को

- **डोलो दवा कम्पनी ने सुप्रीम कोर्ट में इस आरोप को नकार दिया कि, उसने डोलो-650 प्रिस्क्राइब करने के लिए डॉक्टरों को 1000 करोड़ रू. की फ्रीबीज़ दी थी।**

इस दवा के निर्माताओं ने इस आरोप से साफ को इंकार करते हुए इसे पूर्णतया झूठा और निराधार बताया। डोलो-650 एक एंटीपायरैटिक और बुखार कम करने की दवाई है जिसकी वैश्विक महामारी के दौरान जबर्दस्त डिमांड थी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। –अथर्ववेद

घर-घर औषधि उपवन

आज से 40 वर्ष पहले, प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य जिन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा से मुझे आयुर्वेद के सभी आठ अंगों में प्रशिक्षित किया, से वनों में औषधियां एकत्र करने के बीच मैंने एक सहज प्रश्न किया कि आदर्श स्थिति में औषधालय कहाँ स्थित होना चाहिये। उत्तर था, जहाँ औषधीय वन और आयुर्वेदाचार्य, वहीं औषधालय। यह उत्तर आज भी यथावत प्रासंगिक है। हाँ, यदि समीप में वन न हों तो आप औषधीय पौधों का उपवन लगा सकते हैं।

औषधीय पौधों पर प्राचीन संदर्भ 4500 ईसा पूर्व ऋग्वेद में मिलता है। बाद में आयुर्वेदिक संहिताओं और ग्रंथों में इस विषय पर गंभीर और विस्तृत विवेचन हुआ है। प्राचीन काल से ही औषधीय पौधों की परिभाषा पर मंथन होता आया है। एक बड़ा प्रसिद्ध श्लोक है (शुक्रनीतिः 2/126): अमंत्रं अक्षरं नास्ति नास्ति मूलमनौषधम्। अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः।। तात्पर्य कोई अक्षर नहीं जो मंत्र में काम न आये,कोई जडी नहीं है जो औषधि न हो। कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता,बल्कि इन सब को जोड़ने वाला व्यक्ति ही दुर्लभ होता है।

आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी एवं सोवारिगपा एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में प्रयोग होने वाली औषधियां मुख्यतया पेड़-पौधों से प्राप्त होती हैं। यही कारण है कि वनों से निरंतर अति-दोहन के कारण अब औषधीय पौधों की अनेक प्रजातियाँ संकटापन्न होने से दीर्घकालीन संरक्षण, संवर्द्धन एवं खेती हेतु रणनीति बनाकर क्रियान्वित करना आवश्यक है। इनमें प्राकृतिक आवास में यथा-स्थान संरक्षण, व्यापारिक खेती, उपवनों, बाग़-बगीचों, कृषिवानिकी और वृक्षारोपण क्षेत्रों में संरक्षण, संवर्धन, डोमेस्टीकेशन तथा नई किस्मों का विकास आदि शामिल हैं। राजस्थान सरकार द्वारा प्रारम्भ की गयी घर-घर औषधि योजना केवल सरकार की नहीं हर घर का अभियान है। यह वृक्षायुर्वेद का व्यापक, अनूठा व नवाचारी क्रियान्वयन है। कहा जाता है जहाँ औषधीय पौधे और वैद्य हों वहीं औषधालय हो जाता है। आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, एवं सोवा रिगपा एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में प्रयोग होने वाली औषधियां मुख्यतया पेड़-पौधों से प्राप्त होती हैं। वनों से निरंतर अति-दोहन के कारण अब औषधीय पौधों की अनेक प्रजातियाँ संकटापन्न होने से दीर्घकालीन संरक्षण, संवर्द्धन एवं उगाने हेतु रणनीति बनाकर क्रियान्वित करना आवश्यक है। इनमें प्राकृतिक आवास में यथा-स्थान संरक्षण, व्यापारिक खेती, उपवनों, बाग़-बगीचों, कृषिवानिकी और वृक्षारोपण क्षेत्रों में संरक्षण, संवर्धन, डोमेस्टीकेशन तथा नई किस्मों का विकास आदि शामिल हैं। आज की चर्चा घर-घर में औषधीय पौधों को उगाने की विधियों पर केन्द्रित है।

घर में औषधीय पौधे उगाने केसात सहज सूत्र हैं जो घर-घर को सुखदायी और आरोग्यकर बनाये रखते हैं।

पहली बात यह है कि घरों में औषधीय पौधों की उन प्रजातियों को उगाया जाना बहुत लाभकारी होता है जो रोजमर्रा की चिकित्सा हेतु प्रयोग में आती हैं। घर-घर औषधि योजना के अंतर्गत आयुर्वेद के चार श्रेष्ठतम औषधीय पौधे तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा, और गुडूची के पौधे वन विभाग की पौधशालाओं में उगाकर जुलाई-अगस्त से नवंबर-दिसम्बर माह के मध्य वितरित किये जायेंगे। इन्हें प्राप्त कर आप अपने बगीची में या गमलों में भी लगा सकते हैं।

दूसरी बात यह है कि यदि आप इन प्रजातियों को तुरंत उगाना चाहते हैं तो तुलसी, कालमेघ और अश्वगंधा के उपयोग योग्य पौधे बीजारोपण से घर की बगीची में या अपार्टमेन्ट की बालकनी या टेरेस-गार्डेन में रखे माध्यम आकार के गमलों में उगाये जा सकते हैं। गुडूची या गिलोय की कलम भी बगीची या दो से तीन फीट गहरे और बड़े आकार के गमलों में रोपित कर लताओं-बेलों को सहारा देकर चढ़ाया जा सकता है। गुडूची के तने की कलम जिसमें कम से कम तीन नोड हों, को सीधी मिट्टी में लगा सकते हैं। कलम के एक नोड को मिट्टी में गाड़ देना चाहिए और कम से कम एक नोड ऊपर ताने के फुटान के लिये रखना चाहिये। गुडूची की कलम प्राप्त करते समय ध्यान दीजिये कि वायुवीय जड़ों की कलम नहीं लगायें। इनमें फुटान नहीं होगा। राजस्थान में प्राप्त होने वाले बीजों में से अश्वगंधा के एक मुट्ठी बीजों का वजन 20 ग्राम होता है और बीजों की संख्या 8,520 होती है। इसी प्रकार रामा तुलसी में एक मुट्ठी में 22 ग्राम बीज आते हैं और इनकी संख्या 48,400 होती है। कालमेघ के एक मुट्ठी बीच में 30 ग्राम बीज आते हैं जिनकी कुल संख्या 13,500 बीज होती है। इस प्रकार अश्वगंधा में 426 बीज प्रति ग्राम, तुलसी में 2,200 बीज प्रति ग्राम तथा कालमेघ में 450 बीज प्रति ग्राम आकलित गए हैं। यह गणना राजस्थान के एक सैंपल पर आधारित है और वैश्विक स्तर पर हुये आकलनों से इसमें थोडी-बहुत भिन्नता हो सकती है। लेकिन अनुमान के लिए यह आंकड़े उचित और पर्याप्त हैं। इसका तात्पर्य यह हुआ कि बीज बहुत छोटे आकार के होते हैं और यदि आप गमलों या छोटी क्यारी में सीधी बुवाई करना चाहते हैं तो एक चुटकी से भी बहुत कम बीज चाहिये। इन बीजों को आप अपने आस-पास से एकत्र कर सकते हैं। पड़ोसियों या रिश्तेदारों से प्राप्त कर सकते हैं। इन्हें आप बाज़ार से भी खरीद सकते हैं।

घर-घर औषधीय पौधों का रोपण, सार-संभाल और उपयोग इन प्रजातियों के बारे में उपलब्ध पारंपरिक ज्ञान को विलुप्त होने से बचा सकता है। पौधों के रोपण और रखरखाव में बच्चों को साथ में लेकर चलने से इंडीजीनस-नॉलेज या पारंपरिक ज्ञान स्वतः ही अगली पीढ़ी को मिलने लगता है। स्थानीय ज्ञान को विलुप्त होने से बचाने का यह सबसे सशक्त माध्यम है।

तीनों प्रजातियों के बीज गमलों में या मिट्टी में खुरपी से खुदाई कर 1 से 2 सेंटीमीटर गहरे बुवाई कर दीजिये, बीज ज्यादा गहरे नहीं डालें। तुलसी, कालमेघ और अश्वगंधा के बीजों में थोड़ा राख मिलायें और गमले की मिट्टी या जमीन की क्यारी में ऊपर जरा सी राख की परत बुरक दें, नहीं तो चींटियाँ बीज ढोकर ले जाती हैं। बुवाई के पहले गमले या क्यारी की मिट्टी की सिंचाई करना जरूरी रहता है। लगभग 6 से 12 दिन के अन्दर तुलसी, कालमेघ और अश्वगंधा में अंकुरण पूर्ण हो जाता है। लगभग 8 से 12 दिन में तुलसी, 6-7 दिन में कालमेघ, और 6-10 दिन में अश्वगंधा में अंकुरण हो जाता है। अंकुरण होने तक बहुत हल्की सिंचाई करना चाहिये। उसके बाद आवश्यकतानुसार ही सिंचाई करना उपयुक्त रहता है। अगर बहुत से बीज गमले या क्यारी में अंकुरित हो गये हों तो आप इन्हें अंकुरण के तीन-चार सप्ताह के भीतर उखाड़कर अन्यत्र भी रोपित कर सकते हैं।

तीसरी बात यह है कि छोटे बाग़-बगीचों या अपार्टमेन्ट की बालकनी में रखें गमलों में तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा और गिलोय तो लगा ही सकते हैं पर घर-घर औषधि योजना को आप अपने स्तर पर सदैव के लिये आगे बढ़ाते हुये साल-दर-साल कुछ बहुउपयोगी पौधे उगा सकते हैं।अगर आप अपनी बगीची को इन चार महत्वपूर्ण प्रजातियों से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो ध्यान रखें कि चुनी गई औषधीय प्रजातियाँ ऐसी हों जो भोजन, रसायन एवं औषधि तीनों में ही प्रयुक्त होती हों, त्रिदोषशामक हों, और विविध प्रकार के रोगों के विरुद्ध चिकित्सा में प्रयुक्त हो सकें। तिजोरी में धन और बगीचे में पौधों का संग्रह धीरे-धीरे ही होता है। अतः यदि आप एक साथ औषधीय पौधों की बुवाई या रोपण न कर सकें तो अपनी बगीची या अपार्टमेन्ट की बालकनी में प्रजातियों की विविधता को समय के साथ बढ़ाते रहें और अगली पीढ़ी को औषधीय पौधे और उनके उपयोग का ज्ञान दोनों देकर संपन्न बनायें।

चौथा यह है कि यदि आपके पास थोड़ी जमीन है तो बगिया का कुछ क्षेत्र ऐसा अवश्य हो जहां अनेक प्रजातियों के पौधे इस प्रकार लगाये जायें कि प्राकृतिक क्षेत्र का आभास हो। यदि बगीचे में अनेक औषधीय प्रजातियों के पौधे उगाना चाहते हैं तो इनमें से अधिसंख्य को बगीचे के एक कोने में बेतरतीबी से बहु-प्रजातीय रोपण करें। इसभाग में मानव दखल कम से कम करें ताकि प्राकृतिक वनों की तरह बीजोत्पादन, बीज विकीर्णन, पुनरुत्पादन जैसी पारिस्थितिकीय प्रक्रियायें समय के साथ अपने आप संचालित होने लगें।बगिया का यह सेमी-वाइल्ड हिस्सा बहुत मनोहारी, आरोग्यकर एवं उपयोगी होता है।

पांचवीं बात यह कि जैसा पहले कहा गया है, वन विभाग की पौधशालाओं में घर-घर औषधि योजना के अंतर्गत तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा और गिलोय के पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे परन्तु बीज, कलम और पौधे प्राप्त करने के और भी तरीके हैं। सबसे आसान तरीका परिवारों के मध्य पौधों और बीजों का आदान-प्रदान है जो मानव सभ्यता के विकास के साथ ही विकसित हुआ है। उदाहरण के लिये, जब भी आप किसी परिवार की सुंदर बगीची देखें तो उनसे कुछ पौधे अवश्य मांग कर लायें और अपने बगीचे में लगायें। इसी प्रकार आप उन लोगों को भी कुछ पौधे उपहार में दें। घर की बगिया या गमलों में उग रहे औषधीय पौधे प्रमाणिक औषधि के साथ ही उत्तम बीजों का स्त्रोत भी हैं। अपने पड़ोसियों, मित्रों और संबंधियों के साथ बीजों का आदान-प्रदान हमारी पुरानी परंपरा है। यह परंपरा आज भी पूरे दुनिया में किसी न किसी रूप में विद्यमान है। बीजों के इस आदान-प्रदान को सम्पूर्ण विश्व का समाज एक सुखद तोहफ़ा मानता है।

छठा, उपवन या बगीचे के आरोग्यकर, बहुउपयोगी एवं मनोहारी दृश्य का स्वास्थ्य पर गंभीर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। प्रतिदिन जब आप अपनी बगीची को शांत-चित्त होकर निहारते हैं तो आपमें स्वयं स्वस्थ रहने और परिवार को स्वस्थ रखने की उत्कट लालसा जागती है। यह दिव्य मनोवैज्ञानिक प्रभाव औषधि की तरह कारगर है। यह कथन कोरे उत्साहवर्धन के लिये नहीं, बल्कि विश्व में हरियाली और स्वास्थ्य के संबंधों पर प्रकाशित 6000 से अधिक शोध-पत्रों का निचोड़ है।

सातवाँ सूत्र, जैसा कि पूर्व में बताया गया है,यदि आपके पास जगह की कमी है या आप अपार्टमेंट्स में रहते हैं तो गमलों में भी अनेक प्रजातियों के पौधे उगाये जा सकते हैं। बगीचे में यदि पानी की कमी हो तो कम से कम वर्षा ऋतु में पौधों के इर्द-गिर्द थांवला बनाकर वर्षा-जल संरक्षण किया जा सकता है।

घर-घर औषधीय पौधों का रोपण, सार-संभाल और उपयोग इन प्रजातियों के बारे में उपलब्ध पारंपरिक ज्ञान को विलुप्त होने से बचा सकता है। पौधों के रोपण और रखरखाव में बच्चों को साथ में लेकर चलने से इंडीजीनस-नॉलेज या पारंपरिक ज्ञान स्वतः ही अगली पीढ़ी को मिलने लगता है। स्थानीय ज्ञान को विलुप्त होने से बचाने का यह सबसे सशक्त माध्यम है। मेरा दीर्घकालिक व्यक्तिगत अनुभव है कि जैसे-जैसे पारंपरिक रूप से उगाये जाने वाले पौधे हमारे आसपास से विलुप्तप्राय होने लगते हैं, वैसे-वैसे पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी में स्थानीय ज्ञान का आदान-प्रदान भी रुकने लगता है। आज विश्व भर में पीढ़ियों से संचित स्थानीय ज्ञान के समाप्त होने का यह मूल कारण है। पीढ़ियों से संजोये जा रहे स्थानीय ज्ञान का प्रयोग कर औषधीय पौधों की सार-संभाल जनोपयोगी जैव विविधता के संरक्षण की ठोस रणनीति भी है। औषधियों के बारे में पारम्परिक ज्ञान के क्षरण को रोकने में घर-घर औषधि योजना का बड़ा योगदान हो सकता है। घर में औषधीय पौधों का रोपण देश, समाज और परिवार के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बगिया में उग रहे पौधे सहज ही स्वस्थ रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। घर में आज उगाये गये औषधीय पौधे कल हमारे प्रियजनों की भी जान बचा सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

क्या अवसाद का सही उपचार हो रहा है?

डॉ. रामावतार शर्मा

अवसाद को ज्यादातर लोग डिप्रेशन के नाम से जानते हैं। यह बड़ी संख्या में पाई जाने वाली मन की एक बीमारी है जिससे भारत के कोई एक करोड़ लोग हर साल प्रभावित होते हैं।

अवसाद वह मानसिक अवस्था होती है जिसमें कोई व्यक्ति उदास रहने लगे, जीवन की दिनचर्या के प्रति उदासीन हो जाए और उत्साह को खो देता हो। उसकी बातों में नकारात्मकता आ जाती है, निराशा उसके व्यक्तित्व का एक हिस्सा हो जाती है। अवसाद की इस हालत में व्यक्ति आत्महत्या तक भी कर सकता है। इस तरह से हम देखते हैं कि अवसाद अर्थात डिप्रेशन एक बड़ा रोग है जिसका निदान एवम् उपचार होना आवश्यक है। निदान सदा एक अनुभवी चिकित्सक द्वारा ही करवाना चाहिए।

अब जो बड़ी समस्या आती है वह निदान के बाद की है। जब यह सवाल उठता है कि रोग का तो पता चल गया, अब किया क्या जाए। सन् 1960 के दशक में कुछ दवाइयां उपलब्ध हुई जो कि हमारे रक्त और मस्तिष्क में एक हार्मोन सेरोटोनिन के स्तर तो बढ़ाती हैं। इन दवाओं से अवसाद के रोगी को काफी प्रारंभिक फायदा हुआ तो यह माना जाने लगा कि शरीर में सेरोटोनिन का स्तर कम होने से व्यक्ति अवसाद में चला जाता है।

आगे चलकर ज्यों-ज्यों विश्व में शहरीकरण होने लगा, जीवन में जीविकोपार्जन का संघर्ष बढ़ने लगा तो बड़ी संख्या में लोग अवसाद में जाने लगे। समय के साथ अवसाद की दवाओं की बिक्री वैश्विक स्तर पर लाखों करोड़ रुपयों की होने लगी। डॉक्टर्स और दवा की कंपनियां सब सेरोटोनिन सिद्धांत को सहारा देने लगे। कोई 80 प्रतिशत लोग भी मानते हैं कि डिप्रेशन की दवाएं जो सेरोटोनिन बढ़ाती हैं वे ही एकमात्र सहारा हैं। पर क्या दवाओं के बड़े उपयोग के बाद भी धरती से अवसाद कम हुआ?

जवाब सदा ना में ही रहेगा।

ब्रिटेन में एक बड़े अध्ययन के अनुसार डिप्रेशन के रोगियों में सेरोटोनिन का रक्त स्तर तकरीबन सामान्य ही पाया जाता और अभी तक किसी भी अध्ययन में यह पूर्णतया सिद्ध नहीं हुआ है कि किसी रसायन की कमी से व्यक्ति अवसाद में जाता है। इस अध्ययन में कोई 165,000 लोग शामिल हुए थे। यह अध्ययन दो बातें सिद्ध करता है। पहली तो यह कि चूंकि दवाएं विकसित हो गई थी, कुछ फायदा भी पहुंचाती थी इसलिए इस बात को आसानी से मान लिया गया कि सेरोटोनिन की कमी से ही डिप्रेशन रोग का रूप ले लेता है। दूसरे, रोगी को कुछ सहारा दवा के रूप में मिल गया और चिकित्सक को रोगी मिलने लगे। बस डिप्रेशन अरबों रुपए का व्यापार हो गया। सरकारों को खूब टैक्स मिलने लगा और एक आधा अधूरा इलाज पूरे विश्व में प्रसारित हो गया। ऐसा नहीं है कि दवाएं पूरी तरह निरर्थक हैं पर हर निष्पक्ष चिकित्सक जानता है कि दवाओं की सहायता से कोई रोगी डिप्रेशन के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल सकता है। उसे बस थोड़ा सहारा और समय मिल जाता है।

ब्रिटेन में हुई शोध की अग्रणी प्रोफेसर जोआना मॉन्क्रीफ का कहना है कि अवसाद के लिए काम में ली जाने वाली दवाओं का उपयोग प्रश्नों के घेरे में है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के मनोचिकित्सक डॉक्टर मार्क होरोविट्स के अनुसार भी सेरोटोनिन या अन्य रसायनों का डिप्रेशन से कोई सीधा संबंध नहीं है। इन्ही दोनों बातों का समर्थन बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी के डॉक्टर नसीम घाएमी ने भी किया है। एक अन्य अध्ययन में टोरंटो महाविद्यालय के डॉक्टर रॉजर मेलंटायर ने भी सेरोटोनिन और अवसाद में किसी सीधे कारण और प्रभाव से इंकार किया है। ये सभी विशेषज्ञ शोधकर्ता मानते हैं कि डिप्रेशन का पूर्ण उपचार दवाओं से संभव नहीं है। यहां दवाएं उसी तरह से काम करती हैं जैसे बुखार में पैरासिटामोल। बुखार तो एक बार उतर जायेगा।

पर बीमारी वहां की वहां ही रहेगी और समय के साथ बढ़ेगी भी।

अवसाद को मिटाना है तो उसके कारणों का विश्लेषण करना पड़ेगा। कारण अधिकतर मामलों में व्यक्तिगत रिश्तों में दरारें, गरीबी, बेरोजगारी, अहंकार, प्रतिस्पर्धा, अति महत्वाकांक्षा, निकम्मापन, अकुशलता, हिंसा, द्वेष, घृणा, भेदभाव, पक्षपात आदि होते हैं। समाज निष्ठुर है, आबादी घनी है, संसाधन कम हैं और सामाजिक सौहार्द गायब सा हो गया है। अपने संघर्ष में हर कोई अपने आप को अकेला पाता है तो अवसाद ही होगा। जो भी व्यक्ति अपनी बौद्धिक चेतना को विकसित नहीं करता उसके अवसाद में जाने की संभावनाएं बनी ही रहेंगी। जीवन का आनंद पाना है तो बौद्ध बनो या फिर बुद्ध।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

घर-घर नल योजना में लाखों रुपए खर्च, शुरू नहीं हुई जलापूर्ति

- **भीम प्रधान के गृह क्षेत्र भरतवा गांव का मामला**
- **टूटी सड़कें व घर-घर नल योजना भी अधूरी**
- **सरकारी कुएं, टंकी होने के बाद भी लोग 1-1 किमी. दूर से पानी लाने को मजबूर है**

भीम, (निसं)। शुद्ध पेयजल के लिए घर-घर नल योजना में लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी जलापूर्ति शुरू नहीं हो पाई और दो साल पहले स्वीकृति के बाद भी पक्की सड़क का कार्य शुरू नहीं हो पाया। ये हालात भीम प्रधान वीरमसिंह रावत के गृह क्षेत्र भरतवा गांव के हैं, जो डूंगरखेड़ा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। प्रधान बीरमसिंह ने राजनीतिक द्वेषता से कार्य अधूरा होने का आरोप लगाया है। कुएं में पर्याप्त पानी है, टंकी भी बन गई, फिर भी घर-घर नल पहुंचाने का कार्य जलदाय विभाग ने रोक दिया। इससे जलदाय विभाग, पीडब्लूडी के साथ पूरे प्रशासनिक तंत्र पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार राजसमंद जिला मुख्यालय से करीब डेढ़ सौ और भीम उपखंड मुख्यालय से पचास किमी. दूर स्थित भतरवा गांव के विकास में राजनीतिक खींचतान भारी पड़ रही है। इस गांव में सड़क, पानी व नाली की प्राथमिक सुविधाएं भी शासन प्रशासन और जिम्मेदार महकमे उपलब्ध नहीं करवा पाए। खास बात यह है कि पक्की सड़क के लिए दो साल पहले स्वीकृति जारी हो गई, लेकिन कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाया। दूसरी तरफ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा घर-घर नल पहुंचाने की योजना के तहत दो कुएं खोद दिए, टंकी बना दी और गांव में ऐसे ही प्लास्टिक का पाइप भी रख दिया, लेकिन न तो घर घर नल दिए गए और न ही जलापूर्ति शुरू की गई। पाइप को ठीक से जोड़ा भी नहीं और पाइप की ज्वाइंट भी बिना क्लिप के किया, जिससे कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। एक दिन टंकी से पानी छोड़ा, जिससे कई जगह से पानी निकलने लग गया, तो जलदाय विभाग द्वारा जलापूर्ति रोक दी और दो माह बाद भी जल वितरण व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई है।

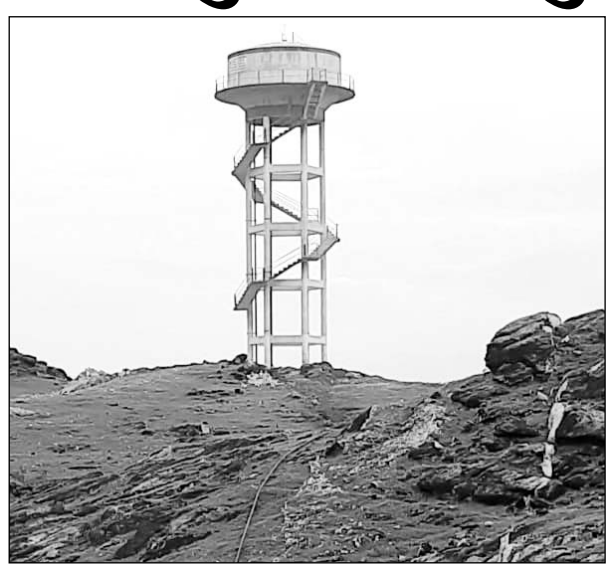

डूंगरखेड़ा ग्राम पंचायत के भरतवा गांव में निर्मित पानी की टंकी एवं कुआं लेकिन ग्रामीणों को जल आपूर्ति नहीं हो रही है।

भीम प्रधान बीरमसिंह रावत ने बताया कि भरतवा गांव का विकास राजनीतिक द्वेषता से रूका हुआ है। एसडीएम से लेकर कलैक्टर तक को शिकायत कर दी और जिला परिषद साधारण सभा में मुद्दा उठाया, मगर अभी तक कार्रवाई तो दूर उनकी सुनवाई तक नहीं हो पाई। ऐसे में सवाल उठ रहा है जब प्रशासन द्वारा एक जनप्रतिनिधि की बात पर ध्यान नहीं दिया, तो आम लोगों की समस्या का समाधान किस तरह होता होगा, यह यक्ष सवाल हर किसी के जेहन में है।

लक्ष्मीदेवी रावत, गृहिणी भरतवा ने बताया कि पेयजल सुविधा के नाम पर टंकी बनाकर व अधूरा पाइप डालकर फॉर्मलिटी पूरी की है। अभी तक न तो पानी मिला है और न ही समस्या का समाधान हुआ। जलदाय विभाग भी उदासीन है, इसलिए ठेकेदार मनमानी कर रहा है। ठेकेदार का पेमेंट तत्काल रोका जाए। लक्ष्मणसिंह रावत, ग्रामवासी भरतवा ने बताया कि पाइप लाइन सिर्फ दिखावे की है। कोई काम नहीं किया है। एक दिन दिखावे के तौर पर पानी चालू किया, जो कई जगह निकला। सरकारी पैसो का दुरुपयोग किया है। पाइप लाइन में कोई क्वालिटी नहीं है। मोहनसिंह रावत, ग्रामवासी भरतवा ने बताया कि सरकारी कुएं, टंकी होने के बाद भी लोग 1-1 किमी. दूर से सींचकर पानी लाने को मजबूर है। सड़क जर्जर हो गई, मगर ठीक नहीं हो रही है। आखिर हमारी सुनवाई प्रशासन द्वारा क्यों नहीं की जा रही है।

बीरमसिंह रावत, प्रधान भीम ने बताया कि भीम क्षेत्र में हर कार्य में घोटाला हो रहा है और हर जगह राजनीतिक द्वेषता देख सकते हैं। पीएचईडी के ठेकेदार ने पूरी सडक तोड़ दी। नई सडक़ दो साल पहले स्वीकृत हो गई, मगर अभी तक कार्य शुरू नहीं किया। भतरवा में नल योजना में जो कार्य किया है, वह भी घटिया स्तर का हुआ है। इसकी जिला स्तर तक शिकायत कर दी। फिर भी न तो पीडब्लूडी अभियंता आए और न ही जलदाय विभाग ने कोई जांच की। बलराम मीणा, सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी भीम ने बताया कि सारोठ से मिराला की पोल वाया भरतवा का बाडिया सड़क संवेदक की गारंटी अवधि में है जिसे सही कराने के लिए पत्राचार किया जा रहा है बरसात मौसम के उपरांत पुनः सही करवा दिया जाएगा। मुख्य सड़क से भरतवा डामरीकरण सड़क रिनुअल में स्वीकृत है जिसे बरसात के मौसम के बाद निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल की विशाल प्रतिमाएं कोटा पहुंचीं

- **'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल की वार्ता करते स्थापित हो रही हैं प्रतिमाएं'**

कोटा, (निसं)। गनमेटल से बनी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल की विशाल आकर्षक प्रतिमाएं कोटा जेडीबी कॉलेज के सामने स्थापित की जा रही है तीनों महापुरुषों की आकर्षक प्रतिमाएं आपस में वार्ता करती नजर आएंगी।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोटा में लगातार विकास एवं सौन्दर्यकरण के अभूतपूर्व कार्य प्रगतिशील है इसी कड़ी में कोटा नगर विकास न्यास द्वारा यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में अंटाघर से आकाशवाणी तक सौन्दर्यकरण कार्य के तहत पूरे क्षेत्र में केमिकल वाश के साथ आकर्षक लाइटिंग के कार्यो के साथ 15 टन वजनी, आकर्षक, तीनों महापुरुषों की वार्ता करती विशाल प्रतिमाए स्थापित की जा रही है न्यास सचिव राजेश जोशी ने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा है जयपुर से निर्मित होकर कोटा पहुंच चुकी है इनकी लंबाई 12 फीट व 14 फीट दोनों प्रतिमाओं का बेस भी 12 से 14 फीट का है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा अगले सप्ताह तक कोटा पहुंचेगी इसके बाद तीनों प्रतिमाओं को एक ही स्थान पर स्थापित किया जाएगा। प्रतिमा स्थल के दोनों और आकर्षक फाउंटेन और लाइटिंग का कार्य भी करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीनों महापुरुषों की प्रतिमाओं के निर्माण एवं अंटाघर से आकाशवाणी तक सौंदर्यकरण के कार्य की लागत लगभग 3.50 करोड़ है। यह आकर्षक प्रतिमाओं कारीगरों द्वारा करीब 4 महीने का निर्मित किया गया है।

कोटा में महापुरुषों की विशाल प्रतिमाएं पहुंच गई हैं।

राशिफल रविवार 21 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, मृगशिरा नक्षत्र सोमवार प्रातः 7:41 तक, हर्षण योग रात्रि 10:38 तक, वणिज करण दिन 2:22 तक, चन्द्रमा सांय 6:09 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से प्रातः 7:41 तक है। भद्रा दिन 2:22 से रात्रि 3:36 तक रहेगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:41 से 9:17 तक, लाभ-अमृत 9:17 से 12:30 तक, शुभ 2:06 से 3:43 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:55

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। वाणी पर नियन्त्रण रखना ठीक रहेगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

धनु

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल ऊंचा बना रहेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

कन्या

धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाद-विवाद के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आर्थिक कारणों से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

तुला

अपनी कार्य योजना को आज और सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कर्क

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण और अति आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती पर विचार गोष्ठी सहित कई कार्यक्रम आयोजित

पाली में जिला कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में विचार गोष्ठी आयोजित हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जोधपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पाली, (नि.सं.)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जन्म जयंती पाली जिला कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में राजीव गांधी स्मृति भवन कांठोस कार्यलय में उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर विचार गोष्ठी कर हर्षोल्लास से मनाया गया।

इस दौरान सेवादल का योद्धा लगाएगा पौधा के तहत वृक्षारोपण किया गया। ततपश्चात हिन्दू सेवा मण्डल में कुष्ठ रोगियों को मीठा भोजन, फल, बिस्किट वितरण किया गया।

विचार गोष्ठी में कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन हटेला ने कहा कि हमे गर्व है कि हम सभी उस पार्टी के सिपाही है जिसमें राजीव जैसे नेता हुए। देश की एकता व अखंडता के लिए उन्होंने अपना बलिदान दे दिया, आज के दिन हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हमारे महापुरुषों का अनुसरण कर देश व कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए एकजुटता से कार्य करे।

कांग्रेस नेता महावीरसिंह राजपुरोहित सुकरलाई ने कहा कि युवाओं के आदर्श राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता थे।

उन्होंने युवाओं को मताधिकार, संचार क्रांति, पंचायतीराज के सशक्तिकरण, नवोदय विद्यालय की स्थापना, बीस सूत्री कार्यक्रम की शुरुआत करने जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की।

पूर्व जिलाध्यक्ष अजीज दर्द ने कहा कि राजीव गांधी ने पूरी दुनिया मे भारत का मान-सम्मान बढ़ाया, सूचना व संचार क्रांति के जनक थे।

सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने कहा कि राजीव गांधी का यह बलिदान याद रखेगा हिंदुस्तान, जिसको कभी भुलाया नहीं जाा सकता।

कार्यक्रम को जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जोगाराम सोलंकी, महात्मा गांधी जीवन दर्शन सह सयोजक जीवराज बोराणा, आयोजना समिति सदस्य प्रकाश सांखला, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष हाजी मेहबूब टी ने भी सम्बोधित किया।

इस मौके पर सेवादल प्रदेश संयुक्त सचिव माणक लाल गर्ग, पार्षद आमीन अली रंगरेज, पाली शहर ब्लॉक सेवादल अध्यक्ष जगदीश कुमार प्रजापत, पेमाराम चौधरी, ताराचंद टाक, दिनेश कुमार दवे, जिला उपाध्यक्ष घनश्याम भाटी, लक्ष्मण कुमार कछवाहा, असगर कुरेशी, गुलाब खान सोडा, पाली देहात सेवादल अध्यक्ष फिरोज खान मोयला, रानी सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष खरताराम सालरिया, सुरेश कुमार चौहान, बाबूसिंह राजपुरोहित, पूर्व पार्षद राजू सोलंकी, गोविन्द बंजारा, मांगीलाल पंवार, भैराराम गुर्जर,धनाराम सरगरा,सुरेश कुमार मीणा, फकीर मोहम्मद घोसी, जगदीश पवार रामु सेन, अनवर अली, अरबाज खान सहित कांग्रेस एवं सेवादल पदाधिकारियों ने भाग लिया।

कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि दी

जोधपुर, (कासं)। पूर्व प्रधानमंत्री व भारत व स्व. राजीव गांधी की जयंती पर आज कांग्रेसजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करने के बाद नई सड़क चौराहा के पास स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पुष्पांजलि के बाद कांग्रसजनों ने सद्भावना की शपथ ली।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के जन्म दिवस पर आज एमजीएच रोड स्थित शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यहां कांग्रेस के उत्तर जिलाध्यक्ष सलीम खान और दक्षिण जिलाध्यक्ष नरेश जोशी की संयुक्त अध्यक्षता में कई कांग्रेसी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता कहा जाता है। देश में डिजिटल क्रांति का सूत्रपात राजीव गांधी ने किया था और देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए उन्होंने अपना बलिदान भी दे दिया।

सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

इसके बाद सभी कांग्रेसी नई सड़क चौराहा के पास स्थित राजीव गांधी चौक पहुंचे। यहां राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि आयोजित की गई।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राजस्थान राज्य पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्रसिंह सोलंकी, शहर विधायक मनीषा पंवार, गांधी नेहरू विचार मंच और भारत रत राजीव गांधी विचार मंच के संस्थापक सत्यनारायण गौड़ सहित कई पदाधिकारियों ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सद्भावना की शपथ ली।

गजेंद्र शेखावत ने नांदड़ी गोशाला का दौरा किया

जोधपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि गोवंश में फैल रहे संक्रामक रोग लंपी वायरस को लेकर चिंतित हूं। मैं इसकी रोकथाम के लिए प्रयासरत हूं। दवा की कमी न हो, मैं स्वयं इसकी निगरानी कर रहा हूं। शेखावत शनिवार को जोधपुर पहुंचे। अपने निवास पर चार घंटे आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और यथासंभव निराकरण का प्रयास किया। शेखावत ने गोवंश में संक्रामक रोग लंपी के मद्देनजर नांदड़ी गोशाला का दौरा किया।

महापौर वनिता सेठ के साथ नांदड़ी गोशाला पहुंचे केन्द्रीय मंत्री शेखावत को स्थानीय निवासियों ने गोशाला के रख-रखाव और अन्य समस्याओं से अवगत करवाया। समाजसेवी तरुण ने लंपी वायरस से पीड़ित गोमाता के इलाज के लिए आयुर्वेदिक दवा उपलब्ध करवाई।

भाजपा जिला महामंत्री पूर्व उप महापौर देवेन्द्र सालेचा, पार्षद भवानी सिंह जोधा, योगेश व्यास, अनिल प्रजापत, सुधांशु टाक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने जोधपुर प्रवास के दौरान अनेक शोकसभाओं में शामिल हुए। मंत्री शेखावत बीजेएस में जितेन्द्र सिंह शेखावत के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे। पार्षद दीपक माथुर के निवास पहुंचे और उनकी माताजी के निधन पर आयोजित शोकसभा में शामिल हुए।

काजरी में शोध कार्यों का अवलोकन

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) में शोध कार्यों का अवलोकन किया।

काजरी निदेशक डॉ. ओपी यादव ने पुष्पगुच्छ देकर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। डॉ. यादव ने काजरी में चल रहे शोध कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंजीर और ड्राई फ्रूट की बागवानी पर शोध कार्य किए जा रहे हैं। यदि यह प्रयोग सफल रहे तो शुष्क क्षेत्र के किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने काजरी में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी भी ली। केंद्रीय मंत्री के साथ जोधपुर दक्षिण नगर निगम की महापौर वनिता सेठ, काजरी के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक आादि उपस्थित थे।

तैयारियों की समीक्षा की

जोधपुर, (कासं)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने शनिवार को वीसी के माध्यम से संभागीय आयुक्तों व जिला कलेक्टरों के साथ विभिन्न योजनाओं एवं अभियानों की समीक्षा बैठक ली। मुख्य सचिव ने राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक-2022 खेलों के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कोविड टीकाकरण को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने फ्लेगशिप योजनाओं के सम्बन्ध में भी चर्चा की। कलेक्टर हिमांशु गुप्ता, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सुराणा, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ओ पी बिश्नोई आदि वीसी में उपस्थित रहे।

शांति व अहिंसा से प्रदेश व देश का विकास संभव : टीना डाबी

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिला कलैक्टर टीना डाबी ने कहा कि साम्प्रदायिक सद्भावना, प्रेम व भाईचारा बनाएं रखने के लिए युवा पीढ़ी को आज के दिन संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने संचार क्रांति के क्षेत्र में जो सूत्रपात किया वह आज साकार हो रहा है एवं संचार क्रांति के क्षेत्र में उतरोतर प्रगति हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कलैक्टर डाबी ने शनिवार को जिला कलैक्ट्रेट परिसर में स्थित डीआरडीए सभागार में जिला प्रशासन, अहिंसा प्रकोष्ठ व गांधी जीवन दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में सदभावना दिवस पर 'सदभावना-शान्ति और विकास" विषय पर आयोजित सेमीनार में सम्भागियों को सम्बोधित करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए।

जैसलमेर में जिला कलैक्टर टीना डाबी ने सद्भावना, शान्ति व विकास विषय पर आयोजित सेमीनार में प्रशंसा पत्र दिए। फोटो-राष्ट्रदूत

सेमीनार में पुलिस अधीक्षक भंवर सिंह नाथावत, अतिरिक्त जिला कलक्टर दाताराम, उप जिला प्रमुख डॉ. बी.के. बारूपाल, बीसूका उपाध्यक्ष व अहिंसा प्रकोष्ठ के संयोजक उम्मेद सिंह तंवर, सह संयोजक रूपचन्द सोनी, सहायक निदेशक लोक सेवाएं सांवरमल रेगर के साथ ही गांधीवादी विचारक व जिला अधिकारी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

उप जिला प्रमुख डॉ. बी.के. बारूपाल ने कहा कि समाज में सद्भावना रहने से ही शांति रहती है एवं जहां शांति है वहां अहिंसा का भाव रहता है। उन्होंने कहा कि जैसलमेर जिले में सदैव ही साम्प्रदायिक सौहार्द का वातावरण रहा है एवं साम्प्रादाय का व्यक्ति प्रेम व भाईचारे के साथ रहता है।

संयोजक व बीसूका उपाध्यक्ष उम्मेद सिंह तंवर ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान प्रदेश में सदैव सद्भावना व शांति बनी रहे, इसके लिए शांति व अहिंसा निदेशालय का अलग से गठन किया है। जो हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमें हर समाज को शांति व प्रेम भाईचारे के साथ मिलजुल कर रहने की सीख देनी है ताकि हम समाज के साथ प्रदेश का भी उतरोतर विकास कर सके।

न्यायिक जांच की मांग की

जोधपुर, (कासं) । आर्मी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन प्रेषित कर जालौर के गांव सुराणा निवासी देवाराम मेघवाल के 9 वर्षीय बेटे इंद्र कुमार मेघवाल की मौत के मामले की न्यायिक अथवा सीबीआई से जांच कराने कुछ मांग की है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि छुआछूत और जातिवाद के कारण घड़े से पानी पीने पर स्कूल के अध्यापक छैल सिंह ने पीट-पीटकर हत्या की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि प्रोफ़ेसर राम लखन मीणा के नेतृत्व में भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) राजस्थान का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला। प्रतिनिधिमंडल की पीड़ित परिवार के साथ हुई वार्तालाप के अनुसार हर रोज की भांति बालक इंद्र मेघवाल सुराणा के सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ने के लिए गये। स्कूल के लंच के समय मासूम बालक इंद्र मेघवाल ने अपना लंच खाकर (इंद्र के बड़े भाई नरेश के अनुसार इंद्र को तेज मिर्च लगी थी) अध्यापक छैल सिंह के लिए रखी गयी मटकी में से पानी पी लिया क्योंकि स्कूल की एकमात्र पानी की टंकी पर लंच टाइम की वजह से बहुत भीड़ थी।

मासूम बालक इंद्र मेघवाल का उनके परिवार ने सुराणा, सायला, उदयपुर और अंत में डॉक्टर्स की सलाह पर अहमदाबाद इलाज करवाया।

इलाज के दौरान बालक इंद्र कुमार की मौत हो गई।

राजीव गांधी के कार्यों की जानकारी दी

जैसलमेर, (नि.सं.) । जिला कांग्रेस कमेटी में जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह तंवर की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी का जन्मदिवस पर सदभावना दिवस के रूप में मनाया गया।

सर्वप्रथम स्व राजीव गांधी की तस्वीर पर माला पहना पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

अपने उदबोधन में जिलाध्यक्ष तंवर ने कहा की राजीव गांधी द्वारा देश को सूचना एवं प्रौद्योगिकी का तोहफा दिया गया जिससे विश्व में भारत की एक विशिष्ट पहचान बनी दक्षिण एशिया देशों में भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र बना जिसने भारत ही नहीं वरन पडोसी देशों में भी शांति कायम करने में अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर सुमार खान कंधारी लखसिंह भाटी, काने खां, धनपत सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में वरिष्ट कांग्रेसी राण चौधरी, धर्मेंद्र आचार्य, कमलेश छंगाणी,अमृतलाल विश्नोई, जाकिर हुसैन, राधेश्याम कल्ला, रतनाराम, दुर्गेश आचार्य, अशोक बारासा, भरत श्रीमाली, उपेंद्र आचार्य, विजय भठड ललिता गर्ग, चंद्रप्रकाश पुरोहित, परबत सिंह, प्रेम भार्गव, नेमीचंद भार्गव, ललिता गर्ग, भोजी देवी, जमना देवी, निरमा, दुर्गा पंवार, रेशमाराम, धाराराम के साथ कांग्रेस कार्यकता उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन रूपचंद सोनी ने किया।

धोरीमन्ना में स्व. राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

धोरीमन्ना, (निसं)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धोरीमना के तत्वावधान में शनिवार को प्रात: 10.30 बजे स्थानीय डाक बंगला में भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 78 वीं जयंती श्रद्धा पूर्वक जयंती मनाई।

कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित कांग्रेस जनों ने स्वर्गीय राजीव गांधी की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। अध्यक्षीय उद्बोधन में इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दिनेश कुलदीप ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी भारत माता के सच्चे सपूत थे एवं कंप्यूटर क्रांति के जनक थे। उन्होंने अपनी सरकार के समय में युवाओं को 18 वर्ष का मताधिकार दिया एवं ग्रामीण विकास ग्राम स्वराज का सपना जो नेहरू और गांधी ने देखा था। उस को राजीव गांधी ने साकार करते हुए पंचायतों को मजबूती प्रदान करने के लिए सत्ता का विकेंद्रीकरण किया।

इस मौके पर पंचायत समिति प्रधान इंदुबाला बिश्नोई ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारत देश की एकता एवं अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया आज के युवाओं को उनके बताए हुए आदर्शों एवं पद चिन्हों पर चलते हुए देश की उन्नति और प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए। पूर्व प्रधान ताजा राम चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंचायत राज व्यवस्था में आरक्षण को लागू करने की सोच राजीव गांधी की थी। आज हम सब ग्रामीण विकास में पंचायत राज को मजबूत मानते हैं तो इस क्षेत्र को मजबूत करने का कार्य राजीव गांधी ने किया था। आज उनके द्वारा किए गए कार्य को हमें भूलना नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के देश के प्रति दिए गए योगदान को हमें हर कदम पर हर व्यक्ति को याद दिलाना है।

इस दौरान प्रधान इंदुबाला बिश्नोई, पूर्व प्रधान ताजाराम चौधरी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश कुलदीप, उप प्रधान प्रतिनिधि जयरूप चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि महेश कडवासरा, आईटी सेल के प्रदेश संयोजक मंगलाराम तेतरवाल सहित कई लोग एवं कांग्रेस पार्टी एवं एनएसयूआई के युवा कार्यकर्ता इस दौरान उपस्थित रहे। स्वर्गीय राजीव गांधी के जीवन से प्रेरणा लेने का आव्हान किया।

बैठक कल

जोधपुर, (कासं)। 26 अगस्त को महिला समानता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक फरसाराम विश्नोई ने बताया कि महिला समानता दिवस पर कार्यक्रमों की पूर्व तैयारियों के सम्बन्ध में 22 अगस्त को बैठक आयोजित की जाएगी।

पाली में नंदोत्सव मनाया

पाली,(नि.सं.)। जन्माष्टमी के दूसरे दिन गांधी मूर्ति गीता सत्संग भवन में शनिवार को हर वर्ष की भांति श्याम महिला मंडल की ओर से नंदोत्सव करके मनाया गया। महिलाओं ने पीले वस्त्र पहन राधे कृष्ण के भजन गाया।वही राधा कृष्ण नंद बाबा बने युवतियों ने भजनों पर नृत्य किया और फूलों की होली खेली। नंद गोपाल का जन्म उत्सव मनाया। किरण पारीक, उर्मिला तापड़िया ने आज नंद के घर आनंद भयो, श्याम बिन राधा अधूरी, भजन गाए। इस अवसर पर मंडल की उषा लखोटिया अंजू सिंगल संतोष तापड़िया आदि मौजूद रहे। पंजीरी व मक्खन मिश्री का प्रसाद वितरित किया।

दानदाता गायों के लिए आगे आए

पाली,(नि.सं.) सेवा समिति वृद्धाश्रम द्वारा लंपी रोग से ग्रसित गायों के उपचार को लेकर उपलब्ध करवाए जा रहे दवाइयों के किट के लिए अब दानदाता आगे आकर आर्थिक सहयोग दे रहे हैं।

सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद जेथलिया ने बताया कि अहमदाबाद निवासी मंगलम ग्लोबल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के ओमप्रकाश मंगल एवं विपिन प्रकाश मंगल अपने समधी पाली निवासी सुनील गुप्ता के पारिवारिक कार्यक्रम में पाली आए तो उन्हें जानकारी मिली कि सेवा समिति के माध्यम से पाली विधायक ज्ञानचंद पारख द्वारा बीमार गायों के दवाइयों की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने विधायक पारख से मिलकर 5.51 लाख की राशि विधायक को भेंट की । इस अवसर पर पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा ,पूर्व पार्षद शिवप्रकाश प्रजापत, अशोक बाफना, समाजसेवी प्रेमप्रकाश धारीवाल, मानवेंद्र सिंह भाटी,नवीन चोपड़ा, सुनील गुप्ता भी मौजूद थे ।

विधायक पारख ने दानदाता परिवार का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि सेवा समिति अब तक दो हजार बीमार गायों को निशुल्क दवाइया उपलब्ध कराई जा चुकी है। एवम करीब तीन हजार गायों आंशिक सहयोग लेकर दवाइया उपलब्ध कराई गई है । पाली जिले से बाहर भी गौशालाओ के संचालक एवम गौ सेवक भी पाली आकर दवाइयों ले जा रहे है । सेवा समिति द्वारा वरिष्ट पशु विशेयज्ञो की सलाह पर सम्पूर्ण दवाइया प्रयाप्त मात्रा में दी जा रही है जिसके परिणाम स्वस्थ उठने में भी असमर्थ हो चुकी गाय भी एक दो दिन में ही चलने फिरने लग गई है जिसके कारण पूरे जिले में दवाईयो की मांग काफी बढ़ गई है। हर जरूरतमंद को दवाइयां उपलब्ध कराई जाएगी।

विश्व सिंधी सेवा संगम का कार्यक्रम 27 को

विश्व सिंधी सेवा संगम संस्थान ने 27 अगस्त को जोधपुर में होने वाले वी.एस.एस.एस. फेस्टिवल-2022 की जानकारी के लिए प्रेसवार्ता की।

जोधपुर, (कासं)। संपूर्ण विश्व के सिंधी समाज को एकता के सूत्र में पिरो कर उनके विकास के सोपान तय करने के उद्देश्य से स्थापित किए गए विश्व सिंधी सेवा संगम संस्थान द्वारा आगामी 27 अगस्त को अमरगढ रिज़ॉर्ट जोधपुर में वीएसएसएस फेस्टिवल - 2022 के तहत उन प्रतिभाओं को सम्मानित जाएगा, जिन्होंने अपने अपने क्षेत्र में विशिष्टता हासिल करते हुए समाज का नाम रोशन किया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत करेंगे। पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी व श्रीचंद कृपलानी विशिष्ट अतिथि होंगे।

विश्व सिंधी सेवा संगम संस्थान की नेशनल यूथ चेयरपर्सन अमृता एस दुदिया ने संवाददाताओं को बताया कि अन्य समाज की तरह सिंधी समाज भी अपनी पूरी सक्रियता के साथ सामाजिक सरोकार के दायित्व निभाने के अलावा ऐसी प्रतिभाओं को समय समय पर सम्मानित करता है। 27 अगस्त को अमरगढ रिज़ॉर्ट में वी.एस.एस.एस के फेस्टिवल में विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने के साथ डीजे कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी व श्रीचंद कृपलानी विशिष्ट अतिथि होंगे। विश्व सिंधी सेवा संगम के संस्थापक गोपाल सजनानी, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राजू मनवानी, एक्टिव चेयरमैन अनूप थारवानी व प्रदेश अध्यक्ष कैलाश नेभनानी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर विश्व सिंधी सेवा संगम की ओर से आयोजित फेस्टिवल में जानी - मानी डीजे तुहिना के अलावा सिंधी समाज के हास्य कलाकार दीपेश वालेचा और असीम सिधवानी भी परफॉर्म करेंगे।

दूदिया ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए राजस्थान अध्यक्ष मोना हरवानी (महिला शाखा), भरत दयानी (राजस्थान अध्यक्ष युवा शाखा), सुरभि दूदिया (राजस्थान अध्यक्ष युवा शाखा), दीपा थदानी, टीषा गिडवानी, सोनिया सावलानी, ममता मननानी, भूमि मेघानी, कमलेश थदानी, भावना मोटवानी, प्रिया मेंघरजानी व रीमा संगतानी व अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बड़ी टीम जुटी हुई है।

समाज को मूल्यनिष्ठ बनाना है : गिरिधर भगत

आबूरोड, (निसं)। जो सेवा का कार्य कर रहा है वह प्रभु के दरबार में सबसे आगे है। ब्रह्माकुमारीज जैसी सेवा और ज्ञान कहीं नहीं मिल सकती है। यहां दिया जा रहा ज्ञान विज्ञान से भी ऊपर है। यह ज्ञान दुनिया में और कहीं नहीं दिया जा रहा है। हमें दिन-रात समाजसेवा की चिंता रहती है लेकिन यहां शिक्षा दी जाती है कि सबकुछ ईश्वर पर छोड दीजिए। हम सभी को निमित्त मात्र हैं। हमें समाजसेवा के साथ समाज को मूल्यनिष्ठ बनाने पर जोर देना होगा। तभी समाज से हम समस्याओं, परेशानियों को कम कर सकते हैं। समाज को मूल्यनिष्ठ बनाना सबसे बडी समाजसेवा है। उक्त उद्गार दिल्ली से आये संत हरिदयाल एजुकेशन सोसाइटी एंव अनाथ कल्याण समिति के संस्थापक गिरिधर प्रसाद भगत ने समाज सेवा प्रभाग की ओर से चार दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार एवं राजयोग शिविर के शुभारंभ को सम्बोधित करते हुए कही।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मनमोहिनीवन, ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित शिविर में भारत सहित नेपाल से पांच सौ से अधिक समाजसेवा से जुडे समाजसेवी, संगठनों के पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति के पधाधिकारी पधारे भाग ले रहे हैं। आध्यात्मिक जीवन, मूल्यनिष्ठ समाज विषय पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमें स्व के लिए भी समय निकालकर सबसे पहले अपनी सेवा करना होगी। रोजाना एक घंटा मेडिटेशन के लिए जरूर निकालें। संस्थापक भगत की संस्था द्वारा छह हजार से अधिक वृद्धों की सेवा की जा रही है।

अर्जुन बेनीवाल को दूसरी बार अध्यक्ष बनाया

पाली न्यू सब्जी मंडी फुटकर व्यापारी संघ के चुनाव में वर्तमान अध्यक्ष अर्जुन बेनीवाल (मध्य में) को दूसरी बार अध्यक्ष चुना गया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। पाली न्यू सब्जी मंडी में शनिवार को सब्जी मंडी फुटकर व्यापारी संघ के चुनाव में वर्तमान अध्यक्ष अर्जुन बेनीवाल दूसरी बार अध्यक्ष बने।

अर्जुन बेनीवाल को 112 मत, हरीश भाई सिंधी को 22 मत मिले। कुल 136 वोट में से अर्जुन बेनीवाल 90 वोटों से जीते। चुनाव कार्यक्रम में परमाराम माली, दीपाराम राव, मांगीलाल, हाजी मोहम्मद, इस्लाम, जबर सिंह का सहयोग रहा। चुनाव बाद सब्जी मंडी के सदस्यों ने नए अध्यक्ष का साफा माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर रोटी बैंक के अध्यक्ष आनंद कवाड ने भी स्वागत किया। सब्जी मंडी दलाल यूनियन के अध्यक्ष ढलाराम परिहार, नंदू भाई, हुक्मीचंद कीर, हेमंत बागोरिया,जीतू राव, ललित माली, अमराराम बेनीवाल, कैलाश घांची, अशोक भाई ने भी स्वागत किया।

नगर परिषद् के अधिकारियों ने सरदार विद्यालय रोड पर पुनः निशान लगाये

अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि रविवार को संरचनाओं को हटाने की कार्रवाई की जायेगी

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली में स्थानीय नगरपरिषद् द्वारा रियासतकालीन नक्शे के अनुसार सड़कों को चौड़ा करने के लिए भू-स्वामि को बिना मुआवजा राशि तैय किये निर्माण हटाने का कार्य किया जा रहा है।

गौरतलब है कि परिषद् द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन तिराहे तक सड़क की चौड़ाई 80 फीट व पूतली कट से पूर्वा सिनेमा तक की चौड़ाई 60 फीट की जा रही है, जिसकी एवज में विगत 6 अगस्त को मुख्य चौराहे से पुरानी नगर पालिका तिराहे व शनि मंदिर से सरदार स्कूल तक की 68 संरचनाओं को ध्वस्त किया था।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने इस कार्रवाई को अंजाम तब दिया जब ज्यादातर लोग नगरपरिषद को चुनौती देने के लिए न्यायालय पालिका में याचिका दायर नहीं कर पाये, क्योंकि उस दौरान न्यायालय की छुट्टियां

कोटपूतली में रामभवन के पास पुनः नाप जोख कर निशान लगाते परिषद् के अधिकारी।

घोषित थी जिसके बाद बड़े पैमाने पर व्यापारी, भवन मालिक स्वयं ही अपनी दुकान व मकान खाली करके निर्माण हटाने लगे थे।

प्रभावित सड़क मार्गों पर कई व्यापारी तो ऐसे हैं जिन्होंने कुछ समय पूर्व ही करोड़ों रुपये खर्च कर ना केवल दुकानों की रजिस्ट्री करवाई थी बल्कि नया व्यापार शुरू करने के लिए नगर परिषद् से पट्टा बनवा कर उसे रजिस्टर्ड भी करवाया था।

वहीं दूसरी ओर उक्त दोनों सड़कों को चौड़ा करने के लिए राजकीय सरदार विद्यालय से शनि मंदिर तक निर्माण हटाने को लेकर अब परिषद् द्वारा रविवार को अग्रिम कार्यवाही किये जाने की सम्भावना जताई जा रही है जोकि उस दिन छुट्टी होने के कारण लोग न्यायालय में याचिका दायर नहीं कर सकें। लेकिन उक्त मार्ग पर बताया जा रहा है कि व्यापारियों को परिषद् के कर्मचारियों द्वारा मौखिक रूप से ही प्रतिष्ठान व मकान खाली करने की हिदायत दी जा रही है। परिषद् रविवार को उच्च न्यायालय से स्टे प्राप्त भवनों को छोड़कर लगभग सभी निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्यवाही कर सकती है।

परिषद् के अधिकारियों ने इसको लेकर शनिवार शाम राम भवन व राजकीय सरदार विद्यालय के पास भूमि की नाप जोख करते हुए पुनः निशान लगाये हैं। इस दौरान एईएन दीपक मीणा व जेईएन अनिल जोनवाल सहित परिषद् के अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

एसडीएम सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे घासी की ढाणी में

शुक्रवार को गाय के अवशेष मिलने से पैदा हुआ तनाव

गांव ललवाड़ी की घासी की ढाणी में तनाव को देखते हुए तैनात पुलिस बल।

निवाई, (निसं)। गांव ललवाडी में शुक्रवार को गाय के अवशेष मिलने के पैदा हुए तनाव को देखते हुए शनिवार को भी घासी की ढाणी में पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिस उपाधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि घटना के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घासी की ढाणी ललवाडी निवासी मुंशी खां उम्र 65 वर्ष पुत्र अली खां, अकील उम्र 54 वर्ष पुत्र घासी खां, शब्बीर उम्र 47 वर्ष पुत्र खाजु खां, इस्लाम उम्र 40 वर्ष पुत्र इमाम बक्श तथा लाला उर्फ अहजाद 28 वर्ष पुत्र मुंशी खां को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है जो आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। शनिवार को भी गांव ललवाडी में सुरक्षा की दृष्टि से एसडीएम रवि वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला सेल प्रकाशचंद्र, उनियारा पुलिस उपाधीक्षक शकील अहमद, पीपलू पुलिस उपाधीक्षक इंदु लोदी, तहसीलदार प्रांजल कंवर, निवाई थानाधिकारी अजय कुमार, बरोनी थानाधिकारी हरिराम, सदर निवाई थानाधिकारी कप्तान सिंह, दत्तवास थानाधिकारी शिवजीलाल सहित करीब 130 पुलिस के जवान घासी की ढाणी में तैनात हैं। शनिवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर परशुराम व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुभाषचंद्र मिश्रा ने गांव में शांति और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए ग्रामीणों से शांति की अपील की।

गौकशी की घटना के बाद शुक्रवार को मौके पर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा के नेतृत्व में जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री चंद्रवीर सिंह, नरेश बंसल, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, अरनिया मंडल अध्यक्ष देवराज गुर्जर, प्रधान रामावतार लांगडी सहित कई भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से गोहत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की थी।

सुराणा प्रकरण मुख्यमंत्री गहलोत पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है : अठावले

जालोर, (कासं)। केन्द्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री व आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने कहा कि जालोर के सुराणा में एक टीचर द्वारा मटके हाथ लगाने पर मारपीट करने से दलित छात्र की मौत हो गई। यदि राजस्थान की अशोक गहलोत की सरकार दलित को सुरक्षा नहीं दे सकती है तो उन्हें सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है तथा राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए। यह बात रिपब्लिक पार्टी ऑफ इण्डिया के सुप्रीमो व केन्द्रीय राज्य मंत्री अठावले ने शनिवार को जालोर के सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि एक मासूम विद्यार्थी के साथ हुई यह घटना निंदनीय है। उन्होने उक्त घटना की रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजने की बात कही। उन्होंने कहा कि एक दलित छात्र द्वारा टीचर की मटकी के हाथ लगाने से ऐसी पिटाई की कि उसकी मौत हो गई। राजस्थान सरकार से मांग करता हूं कि यदि राजस्थान सरकार दलितों को सुरक्षा नहीं दे सकती है, तो गहलोत को सत्ता में नहीं रहने के साथ राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। दलितों पर अत्याचार नहीं होना चाहिए। यदि दलितों पर अत्याचार रोकने में कोई सरकार विफल होती है तो उन्हें सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। आरपीआई की तरफ से तीन लाख रुपये की सहायता राशि पीड़ित परिवार को दी जायेगी। उन्होंने सीएम को आगाह किया कि ऐसी घटना की पुनरावृति नहीं हो इसके लिए पुख्ता प्रबंध करें। उन्होंने कहा कि दोषी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो पहलुओं की पूर्ण व निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें घटना की पूरी जानकारी नहीं है। पीड़ित परिवार से मिलने के बाद

जालोर में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले सुराणा प्रकरण को लेकर प्रेस से रूबरू हुए।

- रिपब्लिक पार्टी ऑफ इण्डिया के सुप्रीमो व केन्द्रीय राज्य मंत्री अठावले ने शनिवार को जालोर के सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान यह बात कही
- केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले शनिवार को सुराणा गांव पहुंचे

पूरी जानकारी लेकर पुलिस को उक्त प्रकरण में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने को लेकर वार्ता की जायेगी। इस दौरान जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, आरपीआई के प्रदेशाध्यक्ष राधामोहन सहित अन्य मौजूद थे।

वहीं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले शनिवार को सुराणा गांव पहुंचे जहां उन्होंने बालक इन्द्र कुमार के परिवारजनों को सांत्वना देते हुए न्याय एवं हरसंभव सहायता दिलवाने का भरोसा दिया। इस दौरान उन्होंने परिवार जनों से मुलाकात करने के साथ ही बालक इंद्र कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष कार्यवाही की सुनिश्चित किए जाने की बात कही। इस प्रकार की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कड़े शब्दों में निंदा की और अधिकारियों से भी बात की।

सुराणा प्रकरण की जांच करेगी एसआईटी टीम:- जालोर जिले के सुराणा में एक दलित बालक की मौत के प्रकरण में मामला राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आने के बाद प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच करवाने के लिए एसआईटी का गठन किया है। जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी.रामजी ने आदेश जारी कर विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) टीम का गठन किया जिसमें सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रभारी एसआईटी) देवाराम चौधरी, पुलिस थाना रायपुर जिला पाली के थानाधिकारी जेठाराम, पुलिस थाना सदर पाली के थानाधिकारी रविन्द्रसिंह को शामिल किया गया। उन्होंने एसआईटी टीम को निर्देश दिये कि तुरंत उक्त घटनास्थल पर पहुंचकर अनुसंधान प्रारम्भ कर प्रत्येक पहलूओं की गहनता से जांच व अनुसंधान कर जानकारी उपलब्ध करावे।

क्रिश्चियनगंज थाने का घूसखोर कांस्टेबल एसीबी के हत्थे चढ़ा

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने शनिवार को कार्यवाही करते हुए क्रिश्चियनगंज थाने के घूसखोर कांस्टेबल को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी कांस्टेबल ने यह रिश्वत एक प्रकरण में गिरफ्तारी नहीं करने की एवज में मांगी थी, पूर्व में आरोपी 15 हजार रुपए की राशि ले चुका है। एसीबी की टीम आरोपी के ठिकानों की तलाशी ले रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी माताजी के विरुद्ध जारी 138 एनआई एक्ट के वारंट में गिरफ्तार नहीं करने की एवज में क्रिश्चियनगंज थाने का कांस्टेबल सुशील कुमार द्वारा 20 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई के उपअधीक्षक पुलिस राकेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर टीम द्वारा शनिवार को ट्रेप कार्यवाही करते हुए सुशील कुमार

घूसखोर कांस्टेबल।

- आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी

जाट निवासी ग्राम जारोड़ा कला पुलिस थाना मेड़ता रोड़ जिला नागौर हाल कानिस्टेबल पुलिस थाना क्रिश्चियन गंज अजमेर को परिवादी से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी कांस्टेबल द्वारा पूर्व में भी परिवादी की माताजी से 15 हजार रुपये रिश्वत की राशि ली थी। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है।

नकली तानसेन गुटखा फैक्ट्री पर रेड

जोधपुर, (कासं)। शहर के तनावड़ा स्थित उद्योग नगर में दो इंडस्ट्रीज के बेसमेंट में नकली गुटखा बनाने की फैक्ट्री को पुलिस ने पकड़ा है। कंम्पनी के एक प्रतिनिधि की शिकायत पर पुलिस ने रेड दी। मगर संचालक नहीं मिला। पुलिस ने फैक्ट्री से भारी मात्रा में तानसेन गुटखा, पैकिंग मशीनें, इलेक्ट्रानिक कांटा आदि जब्त किए है। इस बारे में कंपनी प्रतिनिधि की तरफ से कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज करवाया गया है।

एसीपी बोरानाडा जेपी अटल ने बताया कि उत्तरप्रदेश के नोयडा निवासी मनजीत सिंह की तरफ से शुक्रवार को एक शिकायत दी गई थी। इसमें बताया

- संचालक फरार, कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज

कि वह नोएडा में धर्मपाल सतपाल लिमिटेड कंपनी में प्रतिनिधि के तौर पर लगा है। कंपनी गुटखा बनाने का कार्य करती है। उसकी कंपनी का नामी गुटखा तानसेन जोधपुर में तनावड्डा स्थित उद्योग में नकली रूप से बनाकर बेचा जाता है। इसे बनाने वाला कोई बाबूलाल है जोकि विमल इंडस्ट्रीज और जगदंबा इंडस्ट्रीज चलाता है। इस शिकायत पर कुडी थानाधिकारी सुमेरदान के सुपरविजन में एसआई कानाराम, अल्ताफ हुसैन, हैडकांस्टेबल सुमेरसिंह, शंकरलाल आदि की टीम गठित की गई। पुलिस की टीम ने उक्त दोनों इंस्डस्ट्रीज पर एक साथ रेड दी। इनके बेसमेंट में अवैध रूप से नकली गुटखा बनाने की बात सही पाई गईं। इस पर वहां से एक पैकिंग मशीन, 5 कट्टों में भरा 100 किलो नकली गुटखा तकरीबन 11 हजार पाउच में मिला। साथ ही 25 हजार खाली मास्टर पाउच मिले। 4 रॉल नकली पाउच के और इलेक्ट्रानिक कांटा आदि मिले। एसीपी जेपी अटल ने बताया कि आरोपी मरूधर केसरी नगर निवासी बाबूलाल जाट के खिलाफ कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज कर लिया गया। उसकी तलाश की जा रही है।

मोहता कॉलेज पर जड़ा ताला, 300 एडमिशन फर्जी का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। जहां एक तरफ छात्र संघ चुनाव की सरगर्मियां तेजी से जारी हैं, वहीं दूसरी और छात्रों ने कॉलेज प्रशासन द्वारा मोहता महाविद्यालय सादुलपुर में फर्जी एडमिशन करने का आरोप लगाते हुए मोहता महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया गया तथा कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एडमिशनों की जांच की मांग की।

छात्र राहुल, योगेश व संदीप का आरोप है कि मोहता महाविद्यालय सादुलपुर (चूरू) में करीब 300 एडमिशन फर्जी दिखाए गए हैं। आरोप है कि छात्रसंघ चुनाव को लेकर दूसरी कॉलेज में अध्यनरत करने वाले छात्रों के एडमिशन मोहता कॉलेज में कर दिए गए ताकि छात्रसंघ चुनावों में किसी पक्ष को फायदा मिल सके। वहीं छात्रों ने मुख्य गेट को ताला लगाकर फर्जी एडमिशन की जाँच करवाने की मांग की तथा मोहता कॉलेज के प्राचार्य को हटाने की मांग की है। वहीं कॉलेज के तालाबंदी की मिली सूचना पर राजगढ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा सीआई ने मौके पर पहुंच कर छात्रों की कॉलेज प्रसाशन से दो बार वार्ता करवाई, मगर वार्ता विफल रही और छात्रों ने कॉलेज का ताला खोलने से इनकार कर दिया।

फर्जी एडमिशनों की जाँच की माँग को लेकर विरोध प्रदर्शन करते छात्र।

'कांग्रेस कहती है कि मटकी नहीं है तथा भाजपा कहती है कि घटना नहीं हुई'

जालोर में प्रेस वार्ता के दौरान सुराणा प्रकरण पर बोले आरएलपी सुप्रीमो व सांसद बेनीवाल

जालोर, (कासं)। आरएलपी सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल सुराणा के छात्र मृत्यु प्रकरण को लेकर जालोर में कलैक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन भी जारी रहा। बेनीवाल अपनी पार्टी के तीन विधायक, पांच प्रधानों के साथ धरना देकर राज्य सरकार से सुराणा पीड़ित को भी गत दिनों उदयपुर मामले में दिए गए मुआवजे देने की मांग पर अड़े हैं।

आरएलपी सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि जालोर में सुराणा की घटना को लेकर भाजपा का कोई नेता इस मुद्दे को लेकर नहीं बोल रहा है। भाजपा की इस प्रकार की चुप्पी अपराधियों को बचाना चाहती है। वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत स्वयं को जालोर जाकर पीड़ित परिवार से मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें पीड़ित परिवार से मिलने का समय नहीं है। सुराणा प्रकरण में भाजपा व कांग्रेस दोनों मिली होने से पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल रहा है। आरएलपी हमेशा बिना किसी राजनीति के पीड़ित परिवार को न्याय दिलायेगी। यह बात राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल ने शनिवार को जालोर आगमन पर प्रेस वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।

जालोर में आरएलपी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल सुराणा प्रकरण को लेकर धरने पर बैठ गए।

वहीं दूसरी तरफ राजस्थान के जालोर स्थित सुराणा में एक दलित छात्र की हत्या छुआछूत के चलते की जाती है। हम कैसा आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है। भाजपा इस मुद्दे को लेकर एक शब्द नहीं बोल रही है। भाजपा की चुप्पी यह साबित करती है कि भाजपा अपराधियों को बचाना चाहती है। सभी पार्टियां वोट बैंक के हिसाब से राजनीति करती हैं। मैं सच्चाई तक जाने के लिए जालोर आया हूं। उन्होंने कहा कि दलितों पर कोई अत्याचार करे, उसे आरएलपी पार्टी बर्दास्त नहीं करेगी। सुराणा में एक दलित छात्र की मौत को लेकर भाजपा व कांग्रेस राजनीति कर रही है। गहलोत सरकार इस प्रकरण में मटकी को गायब करने पर तुली हुई है। मटकी की घटना छुपे नहीं उसके लिए सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उदयपुर की घटना पर मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचते है, भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता पहुंचते है तथा सहायता राशि व नौकरी देते है। लेकिन दलित छात्र की मौत के बाद मुख्यमंत्री को आने का समय नही। उन्होंने कहा कि भाजपा की वंसुधरा व कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोनो मिले हुए हैं। दोनो एक-दूसरे के घोटालों की जांच करने की बात करते करीब बाइस साल हो गये। भाजपा व कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती है। जबकि आरएलपी हर वर्ग को न्याय दिलाने के लिए तत्पर है। भीम सेना यदि अपने दलित भाई के लिए संघर्ष कर रही है तो पुलिस व सरकार उन्हें क्यों रोक रही है। लोकतंत्र में सभी को बोलना का अधिकार है। लोकतांत्रिक पार्टी इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए धरना प्रदर्शन राजस्थान स्तर पर करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन की ढिलाई के चलते यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर आया। प्रशासन व सरकार उक्त प्रकरण में लीपापोती

- सांसद हनुमान बेनीवाल जालोर कलैक्ट्रेट पर धरने पर बैठे

करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि मटकी नहीं है तथा भाजपा कहती है कि घटना नहीं हुई है। दलित परिवार को न्याय दिलाने के लिए बेनीवाल संघर्ष के लिए तैयार है। उन्होने कहा कि मै कांग्रेस सरकार गिराने में सचिन पायलट के साथ खड़ा था। लेकिन वे वापस कांग्रेस में चले गये। वंसुधरा व सचिन पायलट दोनों अपनी-अपनी पार्टी में घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्हे हिम्मत कर अपनी अलग पार्टी खड़ी करनी चाहिए या वे एक वीर की भांति मेरे साथ खड़े रहें। उन्होने कहा कि सुराणा जाकर घटना की पूरी जानकारी लेकर सच्चाई का पता किया जायेगा। इसके बाद आगे की रणनीति आरएलपी द्वारा बनाई जायेगी। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष पुखराज गर्ग के अलावा आरएलपी के तीन विधायक, पांच प्रधान सहित काफी संख्या में आरएलपी कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक करोड़ रुपये की अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त

बीकानेर, (कासं)। पंजाब से गुजरात जा रही करीब एक करोड़ रुपए की अवैध शराब पुलिस ने जब्त कर ली है। पंजाब और हरियाणा से गुजरात के लिए अवैध रूप से शराब भेजने का ट्रांजिट रूट बीकानेर ही बना हुआ है। पुलिस ने अब इस एरिया में सख्ती बढ़ा दी है। शनिवार सुबह गुजरात नंबर का एक कंटेनर निकल रहा था। गजनेर फांटे के पास पुलिस ने इस कंटेनर को रोककर पूछताछ की। बातचीत में संदिग्ध मिलने पर कंटेनर खोलकर देखा तो इसमें शराब मिली।

कंटेनर में अलग अलग ब्रांड की शराब की बोतलें रखी हुई थी, जिसकी गिनती अब तक चल रही है। इसकी कीमत एक करोड़ रुपए आंकी जा रही है। पुलिस ने कंटेनर के ड्राइवर बाडमेर निवासी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। बायोटेक इंडस्ट्रीज का काम करेन वाले इस कंटेनर में किसी अन्य समान की रसीदें रखी हुई थी। रास्ते में कहीं भी पूछताछ होने पर अन्य सामान की रसीद ही रखी जाती है। अवैध रूप से शराब तस्करी करने का बीकानेर ट्रांजिट रूट है। पंजाब से श्रीगंगानगर होते हुए बीकानेर, बीकानेर से जोधपुर बाडमेर के रास्ते गुजरात अवैध शराब जाती है। एक अनुमान के मुताबिक हर रोज दर्जनों ट्रक इसी मार्ग से गुजरते हैं लेकिन कभी कभार ही पुलिस कार्रवाई कर पाती है। शनिवार की कार्रवाई भी आला अधिकारियों को दी गई सूचना के आधार पर हुई है।

गोगामेड़ी मेले में 200 कैमरों से की जा रही निगरानी

सुरक्षा में लगाए 1500 पुलिसकर्मी, देशभर से आ रहे श्रद्धालु

हनुमानगढ़, (निसं)। उत्तर भारत का प्रसिद्ध गोगामेड़ी मेला परवान पर चल रहा है। मेले में 200 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। इसके साथ विभिन्न जिलों से 1 हजार 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई है। इनकी मॉनिटरिंग 2 एएसपी और 7 डीएसपी कर रहे हैं। एक महीने तक चलने वाले इस मेले देशभर से करीब 10 लाख श्रद्धालु भाग लेंगे।

रक्षाबंधन के दिन शुरू हुआ गोगामेड़ी मेला एक महीने तक आयोजित होगा। कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष दो चरणों में आयोजित मेले के प्रथम चरण कृष्ण पक्ष में उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं, जबकि दूसरे चरण शुक्ल पक्ष में पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं। गोगामेड़ी मेला जाहरवीर गोगा जी की समाधि और गुरु गोरक्षनाथ की तपस्थली दो हिस्सों में बंटा हुआ है। गोगाजी की समाधि का प्रबंध देवस्थान विभाग के पास है, जबकि गुरु गोरक्षनाथ की तपस्थली गोरखटीले का प्रबंध गोरखटीला धुना प्रन्यास संभालता है।

कोरोना संक्रमण के चलते पिछले 2 साल से मेला आयोजित नहीं हो पाया था

- कोरोना संक्रमण के चलते पिछले 2 साल से मेला आयोजित नहीं हो पाया था

श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धर्मशाला में यात्रियों के ठहरने और मेडिकल की व्यवस्था की गई है। गोगामेड़ी मेले में सभी होटल पहले से ही बुक हैं इसलिए कुछ श्रद्धालु टेंट में भी ठहरे हुए हैं। पशुओं में लंपी स्कीम डिजीज के चलते गोगामेड़ी का प्रसिद्ध पशु मेला इस बार आयोजित नहीं हो रहा है और राज्य सरकार ने इस मेले पर रोक लगा दी है।

मेले में हनुमानगढ़ सहित राज्य के विभिन्न जिलों से 1 हजार 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। उनकी मॉनिटरिंग 2 एएसपी और 7 डीएसपी कर रहे हैं। इसके अलावा 200 सीसीटीवी कैमरों से भी मेले में निगाह रखी जा रही है। कृष्ण पक्ष में आयोजित हो रहे मेले के प्रथम चरण में मेला पूरी तरह से पीले रंग में रंगा हुआ है। प्रथम चरण में भाग लेने वाले श्रद्धालु खासकर उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु मेले में पीले कपड़े पहन कर आते हैं और श्रद्धालु गर्मी व उमस की परवाह किए बिना डोल, डमरू, सारंगी और खड़ताल की धुन पर नाचते गाते हुए मेले में पहुंच रहे हैं।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का जयपुर में प्रदर्शन, उमड़ा जनसैलाब

राज्य की बिगड़ी कानून व्यवस्था, महिला अत्याचार, अवैध खनन, साधु-संतों पर अत्याचार, मॉब लिंचिंग, हिंदुओं पर अत्याचार इत्यादि मुद्दों पर प्रदर्शन

जयपुर। कांग्रेस सरकार के कुशासन और बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा ने जयपुर में शहीद स्मारक से लेकर सिविल लाइंस फाटक, मुख्यमंत्री आवास तक विशाल प्रदर्शन किया। इसमें जयपुर शहर, जयपुर देहात उत्तर, जयपुर देहात दक्षिण और आसपास के जिलों के हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। राजस्थान की बिगड़ी कानून व्यवस्था, महिला अत्याचार, अवैध खनन, साधु-संतों पर अत्याचार, मॉब लिंचिंग, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार इत्यादि मुद्दों को लेकर किये गये भाजपा के विशाल प्रदर्शन में हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं।

प्रर्दशन के दौरान सड़क पर उतरी भाजपा टूटी-टूटी नजर आई। प्रदर्शन के नाम पर एकजुट हुए भाजपा के सैंकड़ों नेता अपने-अपने कार्यकर्ताओं-समर्थकों के साथ अलग-अलग गुट में नजर आए। वहीं प्रदर्शन में वसुंधरा राजे समर्थक विधायक और नेता नदारद रहे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के खिलाफ भाजपा का ये प्रदर्शन आज जयपुर में शहीद स्मारक से शुरू होकर सिविल लाईन्स फाटक पर आकर खत्म हुआ। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में शहीद स्मारक पर ये प्रदर्शन शुरू हुआ, जहां से सैंकड़ों भाजपा नेता और कार्यकर्ता रैली निकालते हुए सिविल लाईन्स फाटक तक पहुंचे। गर्वमेंट हॉस्टल चौराहा, सरदार पटेल मार्ग, चौमू हाउस सर्किल, राजमहल चौराहे होते हुए सिविल लाईन्स फाटक तक पहुंची।

इस प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खेमे के माने जाने वाले कई नेताओं ने खुद को दूर रखा। इसमें कई मौजूद और पूर्व विधायक व पदाधिकारी थे। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, विद्याधर नगर विधायक नरपत सिंह राजवी, पूर्व विधायक राजपाल सिंह शेखावत, मोहनलाल गुप्ता, कैलाश वर्मा, लक्ष्मी नारायण बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी समेत कई नेता इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए।

सिविल लाइन्स फाटक से करीब 100 मीटर दूरी पर पुलिस ने 2 लेयर सिक्योरिटी कर रखी थी। लेकिन कार्यकर्ताओं की भीड़ और भगदड़ के चलते पुलिस के जवान पहली लेयर की सिक्योरिटी से कार्यकर्ताओं को रोकने में फेल हो गए। यहां कार्यकर्ताओं ने बेरिकेट्स को हटाकर आगे बढ़ गए। इसके बाद फाटक से 20 मीटर दूर दूसरे लेयर की बेरिटकेटिंग पर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच मामूली झड़प हो गई। लेकिन अबकी बार पुलिस ने कार्यकर्ताओं को यहां से आगे नहीं बढ़ने दिया। यहां करीब आधा घंटे तक कार्यकर्ता और पदाधिकारी नारेबाजी करते रहे, जिसके बाद पुलिस ने करीब 200 नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

रैली शुरू होने से पहले ही शहीद स्मारक पर नेता अलग-अलग गुट में अपने-अपने कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों के साथ नजर आए। कार्यक्रम के तय समय से करीब 1 घंटे की देरी से पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और नेता प्रतिपक्ष के पहुंचने के बाद रैली शुरू हुई। रैली में कई नेता शहीद स्मारक से न जुड़कर बीच रास्ते में शामिल हुए। जयपुर ग्रामीण से सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी भाजपा मुख्यालय के बाहर ही रैली में अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए और प्रदेशाध्यक्ष समेत दूसरे नेताओं के साथ आगे चलते दिखाई दिए।

प्रदर्शन के दौरान तेज गर्मी और उमस से कई नेताओं के पसीने छूट गए। गर्मी से बेहाल हुए नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया को प्रदर्शन स्थल पर ही पुलिस और कार्यकर्ताओं ने संभाला और उनकी शर्ट को उतारकर उनको हवा की। इसके बाद राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने उन्हें पानी पिलाया, तब जाकर कटारिया को थोड़ी राहत मिली। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राज्यवर्द्धन राठौड़, भागीरथ चौधरी, रामचरण बोहरा, मनोज राजोरिया, प्रदेश महामंत्री एवं विधायक मदन दिलावर, विधायक संजय शर्मा, अनीता भदेल, सुभाष पूनिया, निर्मल कुमावत, मनजीत चौधरी, सुरेश रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, माधोराम चौधरी, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, महेंद्र जाटव, महेंद्र यादव, अशोक सैनी, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र मीणा, किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हरीराम रणवा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सादिक खान, जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, देहात दक्षिण जिला अध्यक्ष रामानंद गुर्जर, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा, अलवर दक्षिण जिला अध्यक्ष संजय नरुका, भरतपुर जिला अध्यक्ष शैलेश सिंह, झुँन्झुनू जिला अध्यक्ष पवन मांवडिया सहित कई सांसद, विधायकों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और गिरफ्तारियाँ दी। यहां पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई, लेकिन आधे घंटे तक चले इस प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी। पूनिया समेत तमाम नेताओं को पुलिस 4 बसों में बैठाकर विद्याधर नगर थाने ले गई और वहां छोड़ दिया।

भाजपा के प्रदर्शन में प्रदेशाध्यक्ष पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित कई सांसद, विधायक, पदाधिकारियों सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- **पूनिया समेत तमाम नेताओं को पुलिस चार बसों में बैठाकर विद्याधर नगर थाने ले गई और वहां छोड़ दिया**

सांसद दिग्विजय सिंह, उदित राज सहित पांच के खिलाफ एफआईआर

जिस स्कूल के शिक्षक की पिटाई से छात्र की मौत हुई, उसे आरएसएस का बताया था

जयपुर, (का.प्र.)। जालौर जिले में सुराणा गांव में शिक्षक की पिटाई से छात्र की मौत के मामले में चल रही राजनीति के बीच कांग्रेस नेताओं के द्वारा स्कूल को आरएसएस का बताने के बाद तीन कांग्रेस नेताओं सहित दो अन्य पर एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जालौर जिला मुख्यालय के कोतवाली थाने में शनिवार को कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह, उदित राज, कांग्रेस नेता संदीप सिंह के साथ ही ब्लॉगर हंसराज मीणा और गौतम कश्यप के खिलाफ स्कूल को आरएसएस का बताकर ट्वीट करने के मामले में एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने परिवाद के जरिए एफआईआर दर्ज करवाई है।

दरअसल जालौर जिले के सुराणा गांव में एक निजी स्कूल में शिक्षक की पिटाई के बाद दलित छात्र की मौत हो गई थी। इस मामले में सियासत शुरू हुई उसी दौरान कई नेताओं सहित अन्य ने स्कूल को आरएसएस की ओर से संचालित होना बताया था। अब गलत ट्वीट करने का आरोप लगाते हुए शहर के कोतवाली थाने में कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह, उदित राज सहित चार नेताओं के खिलाफ एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद राजपुरोहित ने बताया कि जालोर में सुराणा गांव के सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल को आरएसएस की ओर से संचालित किए जाने का बताते हुए ट्वीट किए गए थे। इसके चलते जालोर निवासी एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने परिवाद के जरिए एफआईआर दर्ज करवाई है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह, उदित राज, कांग्रेस नेता संदीप सिंह, ब्लॉगर हंसराज मीणा और गौतम कश्यप ने एक जैसी शब्दावली का उपयोग करते हुए ट्वीट किए हैं। इन सभी ट्वीट में जालोर के सुराणा गांव के स्कूल को आरएसएस का बताकर संघ को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास किया है। साथ ही संघ के प्रति लोगों के मन में वैमनस्य पैदा करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने इस तरह के ट्वीट कर हिंदू समाज के एक वर्ग के लोगों को आरएसएस के विरुद्ध भड़काने का प्रयास किया है। अधिवक्ता ने परिवाद में कहा है कि आरएसएस पूरे देश में किसी भी तरह से कोई विद्यालय संचालित नहीं करता है।

- **एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने जालौर के कोतवाली थाने में परिवाद के जरिये एफआईआर में कहा कि आरएसएस पूरे देश में किसी भी तरह से कोई विद्यालय संचालित नहीं करता है**

कलाकारों की उपस्थिति में हुआ 'कला-मन' का लोकार्पण

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने शनिवार को राजभवन में संस्कृतिकर्मी, कवि, कला आलोचक और राजभवन में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत डॉ. राजेश कुमार व्यास की पुस्तक 'कला-मन' का लोकार्पण किया।

राज्यपाल मिश्र ने लोकार्पण समारोह में कहा कि डॉ. राजेश कुमार व्यास कलाओं की गहराई में जाकर उनकी व्याख्या इस रोचक ढंग से करते हैं कि, लगता है हम शब्दों में कलाओं का आस्वाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगीत, नृत्य, नाट्य आदि कलाओं पर व्यास की अपनी मौलिक स्थापनाएं हैं और वह भारतीय कला दृष्टि के इस समय के विरल कला मर्मज्ञ हैं।

मिश्र ने कहा कि डॉ. राजेश कुमार व्यास भाषा के अपने सहज और कलात्मक सौंदर्य में पढ़ने वालों को लुभाते हैं। उनके लिखे के जरिए संगीत, नृत्य, नाट्यय और चित्रकलाओं से हमारी और अधिक निकटता होती है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने व्यास को उनकी मौलिक कला पुस्तक के लिए बधाई देते हुए कहा कि कलाओं की प्रस्तुतियों के साथ उनकी व्याख्या भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से व्यास की पुस्तक महत्वपूर्ण है। लेखक डॉ. राजेश कुमार व्यास ने कहा कि कलाकारों की उपस्थिति में कलाओं से जुड़ी पुस्तक का लोकार्पण सुखद है। उन्होंने कहा कि संगीत, नृत्य, नाट्यय, चित्रकला, छायांकन आदि कलाएं सदा ही मन को संपन्न करती रही है, इस संपन्नता के उजास से ही 'कला-मन' का सृजन हुआ है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विषेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल एवं प्रदेश के प्रतिनिधि कलाकार उपस्थित थे।

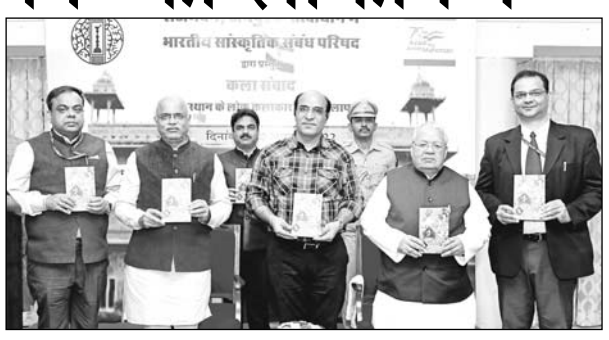

राज्यपाल कलराज मिश्र और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने शनिवार को राजभवन में डॉ. राजेश कुमार व्यास की पुस्तक 'कला-मन' का लोकार्पण किया।

राजस्थान में पिछले बीस दिनों में करोना से 26 लोगों की मौत

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण से हो रही मौतों का आंकड़ा एक बार फिर बढ़ने लगा है। राज्य में शनिवार को इस बीमारी से तीन और लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही पिछले बीस दिन में करोना से 26 संक्रमितों की मौत हो चुकी है। राज्य में आज 561 नए संक्रमित मिले हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर में 2 और टोंक में 1 संक्रमित की मौत हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9606 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर शनिवार को राज्य के 23 जिलों में 561 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 748 रोगी पाए गए थे। राजधानी जयपुर में आज 247 नए संक्रमित सामने आए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 78, अजमेर में 28, उदयपुर में 25, चित्तौड़गढ़ में 23, सीकर में 20, जोधपुर में 18, डूंगरपुर में 17, बूंदी में 13, बीकानेर, कोटा व नागौर में 12-12, अलवर व सवाई माधोपुर में 8-8, बांसवाड़ा, दौसा, जैसलमेर, जालोर व सिरोही में 6-6, धौलपुर में 4, पाली में 3, झालावाड़ में 2 और झुंझुनूं में एक नया मरीज मिला है।

राज्य में शनिवार को रिकवरी में थोड़ा सुधार हुआ है। इस दौरान 652 मरीज ठीक हुए हैं। रिकवरी अधिक होने से एक्टिव केस घटकर 4313 रह गए हैं। हालाकि इनमें सबसे ज्यादा 1556 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा भरतपुर में 481, अलवर में 462 और उदयपुर में 264 मरीजों का इलाज चल रहा है।

राजधानी जयपुर में शनिवार को 54 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 29 मरीज सांगानेर इलाके में पाए गए हैं। मालवीय नगर में 20, मानसरोवर व प्रताप नगर में 16-16, जगतपुरा में 14, सोड़ाला व वाटिका में 13-13, दुर्गापुरा और खोह नागोरियान में 10-10 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं अन्य स्थानों पर इससे कम मरीज पाए गए हैं। 9 संक्रमित ऐसे है जिनका पता गलत मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 183 मरीज ठीक हुए हैं।

भारत ने ज़िम्बाब्वे को पांच विकेट से मात दी

हरारे, 20 अगस्त। भारत ने शार्दुल ठाकुर (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद संजू सैमसन (43 रन) और शिखर धवन (33 रन) के योगदानों की बदौलत ज़िम्बाब्वे को दूसरे एकदिवसीय मैच में शनिवार को पांच विकेट से मात देकर शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

ज़िम्बाब्वे ने भारत को 50 ओवर में 162 रन का न्यून लक्ष्य दिया था, जिसे केएल राहुल की टीम ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और तेज़ गेंदबाज़ों ने ऊपरी क्रम को बिना समय व्यर्थ किये पवेलियन लौटाया। ठाकुर ने जहां इनोसेंट काइया (16) और कप्तान रेगिस चकाब्वा (2) का विकेट लिया, वहीं मोहम्मद सिराज ने टी काइटानो (7) और प्रसिद्ध कृष्णा ने वेस्ले माधेवेरे (2) को आउट किया।

सिकंदर रज़ा और सीन विलियम्स के बीच पांचवें विकेट के लिये साझेदारी पनप रही थी, लेकिन कुलदीप यादव ने रज़ा (16) को आउट करके इसपर विराम लगाया।

ज़िम्बाब्वे की आधी टीम के पवेलियन लौटने के बाद विलियम्स ने रायन बर्ल के साथ मिलकर पारी को संभालना चाहा, लेकिन वे नाकाम रहे और टीम 161 पर ऑल आउट हो गयी। विलियम्स ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की बदौलत 42 रन बनाये, जबकि बर्ल 47 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय टीम में दीपक चाहर की जगह आये शार्दुल ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात ओवर में 38 रन देकर तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज ने किफायती गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए आठ ओवर में मात्र 16 रन दिये और एक विकेट झटका। दीपक हुड्डा, अक्षर पटेल, कृष्णा और यादव को भी एक-एक विकेट हासिल हुआ।

जब भारत 162 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरा तो गिल के स्थान पर कप्तान राहुल ओपनिंग करने आये। राहुल एशिया कप से पहले विकेट पर समय बिताना चाहते थे लेकिन विक्टर न्यौची की गेंद ने उनकी मंशा पर पानी फेर दिया और वह एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये गिल ने धवन के साथ 42 रन की साझेदारी की। धवन ने आउट होने से पहले 21 गेंदों पर चार चौकों की बदौलत 33 रन बनाये।

ल्यूक जॉन्वे ने कुछ देर बाद चौथे नंबर पर आये ईशान किशन (6) और गिल (33) को भी आउट कर दिया।

भारत के 97 रन पर चार विकेट गिरने के बाद सैमसन और दीपक हुड्डा ने 56 रन की साझेदारी की। संजू ने तीन चौकों और चार छक्कों के साथ 39 गेंदों पर 43 रन बनाये, जबकि हुड्डा ने 36 गेंदों पर तीन चौके लगाते हुए 25 रन की पारी खेली।

जब भारत को जीत के लिये नौ रन की आवश्यकता थी तब हुड्डा सिकंदर रज़ा की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे जिसके बाद संजू और अक्षर पटेल (6) ने भारत को जीत तक पहुंचाया।

भारत ने शृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के साथ-साथ ज़िम्बाब्वे पर लगातार 14वीं जीत दर्ज की है, जो एक प्रतिद्वंदी के खिलाफ भारत की सर्वाधिक लगातार विजय है।

अंतिम ने अंडर-20 चैंपियनशिप में जीता ऐतिहासिक स्वर्ण

सोफिया (बुल्गारिया), 20 अगस्त। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बन गयीं।

अंतिम ने शुक्रवार को 53 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में कज़ाकस्तान की अल्तिन शगायेवा को 8-0 से धूल चटाई।

भारतीय पहलवान ने डबल लेग अटैक से मैच की शुरुआत की और फिर एक टेकडाउन किया। ब्रेक तक उन्होंने 6-0 की बढ़त बना ली थी। अंतिम ने दूसरे हाफ में एक और टेकडाउन के साथ दो पॉइंट लेते हुए 8-0 पर मुकाबला समाप्त किया।

अंतिम से पहले छह अन्य भारतीय पहलवान अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंच चुके हैं, लेकिन 17 वर्षीय अंतिम स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

उन्होंने जीत के बाद कहा, "सबने यही कहा कि जापान सर्वश्रेष्ठ है। मैं जापान को हराना चाहती थी। मुझे काउंटर अटैक पसंद है लेकिन यहां जापानी प्रतिद्वंदी ज्यादा हमलावर नहीं थीं इसलिये मुझे स्वयं ही कुछ दांव खेलने पड़े।"

एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप स्वर्ण, अंडर-17 विश्व कांस्य, अंडर-23 एशियाई रजत और पिछले महीने अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर ट्यूनीशिया में रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक जीतने वाली अंतिम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया।

उन्होंने प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में पहले यूरोपीय चैंपियन ओलिविया एंड्रिच को तकनीकी श्रेष्ठता (11-0) से हराया और फिर एक मिनट के भीतर क्वार्टर फ़ाइनल में जापान की अयाका किमुरा को पिन किया।

सेमीफाइनल में, अंतिम ने यूरोपीय अंडर-20 कांस्य पदक विजेता यूक्रेन की नताली क्लिवचुत्स्का को 11-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारत के दो अन्य पहलवान शुक्रवार को फाइनल में पहुंचे थे लेकिन वे स्वर्ण पदक के लिए जापान की बाधा को पार करने में नाकाम रहे।

टोक्यो ओलंपियन सोनम मलिक ने 62 किग्रा फाइनल में जापान की नोनोका ओजाकी से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया।

दूसरी ओर, प्रियंका ने 65 किग्रा फाइनल में जापान की महीरो योशिटाके से हारने के बाद चांदी का तमगा जीता।

इसी बीच, सीतो ने 57 किग्रा वर्ग में रेपेचेज के माध्यम से कांस्य जीतने के लिए अंडर-20 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता तुर्क की मेल्डा डर्नेकी को 11-5 से हराया।

अंडर-23 एशियाई चैंपियन रीतिका (72 किग्रा) ने ट्यूनीशिया की ज़ैनब सगेयर को हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

भारत ने महिला फ्रीस्टाइल में कुल सात पदक (एक स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य) जीतते हुए महिला टीम रैंकिंग में 160 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

जापान 230 पॉइंट के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि अमेरिका ने 134 पॉइंट के साथ तीसरे पायदान पर जगह बनायी।

भुल्लर कोरिया में संयुक्त 10वें स्थान पर

जेजू आईलैंड (कोरिया), 20 अगस्त। अंतिम लम्हों में डबल बोगी और बोगी के साथ गगनजीत भुल्लर तीसरे दौर में 69 के निराशाजनक प्रदर्शन के साथ अंतरराष्ट्रीय सीरीज कोरिया गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 10वें स्थान पर चल रहे हैं।

तीसरे दौर में 15 होल के बाद भुल्लर का कुल स्कोर 10 अंडर था और वह एक हफ्ते में दूसरे खिताब की ओर बढ़ रहे थे लेकिन 16वें होल में डबल बोगी और 17वें होल में बोगी से उनका कुल स्कोर सात अंडर है। वह कोरिया के तेइहून ओक (69) से पांच शॉट पीछे हैं जो 12 अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं।

भुल्लर भारतीय गोल्फरों के बीच शीर्ष पर हैं। कल तक संयुक्त पांचवें स्थान पर चल रहे वीर अहलावत तीसरे दौर में तीन ओवर 74 के स्कोर से संयुक्त 42वें स्थान पर लुढ़क गए।

एसएसपी चौरसिया (73) भी संयुक्त 16वें से संयुक्त 49वें स्थान पर लुढ़क गए। राशिद खान (72) संयुक्त 48वें से संयुक्त 61वें स्थान पर खिसक गए। शिव कपूर (74) संयुक्त 71वें स्थान पर हैं।

पैरा शूटिंग विश्व कप : सिंहराज, सिद्धार्थ ने जीते कांस्य

चांगवोन, 20 अगस्त। टोक्यो पैरालंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट निशानेबाज सिंहराज अधाना और सिद्धार्थ बाबू ने चांगवोन पैरा-शूटिंग विश्व कप 2022 में शनिवार को अपनी-अपनी प्रतियोगिताओं में कांस्य पदक हासिल किया।

सिंहराज ने पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 प्रतियोगिता के फाइनल में 189.5 के स्कोर के साथ कांसे का तमगा जीता। मंगोलिया के गनज़ोरिग गंजरगल (212.1) ने स्वर्ण जबकि कोरिया के चूल पार्क (211.3) ने रजत पदक प्राप्त किया।

इससे पहले सिंहराज ने क्वालीफिकेशन में 536 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था। उनके हमवतन राहुल जाखड़ (511) और दीपेंद्र सिंह (494) क्रमश: नौवे एवं 14वें स्थान पर रहे।

दूसरी ओर, सिद्धार्थ बाबू ने आर3 मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1 प्रतियोगिता में 230.8 पॉइंट के साथ कांस्य पदक जीता।

सिद्धार्थ क्वालीफिकेशन राउंड में 628.2 पॉइंट के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर थे, लेकिन फाइनल में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

फ्रांस के जीन लुइस मिकॉड ने 252.8 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता और कोरिया के जिन्हो पार्क (252.5) दूसरे स्थान पर रहे। इसी बीच, राहुल जाखड़, सिंहराज अधाना और दीपेंद्र सिंह की टीम ने पी4 मिश्रित टीम 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में रजत पदक हासिल किया।

इससे पहले, राहुल और उनकी हमवतन पूजा अग्रवाल ने गुरुवार को पी3 मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक जीता था, जबकि टोक्यो पैरलंपिक चैंपियन अवनि लेखरा ने एसएच1 10 मीटर एयर राइफल में रजत पदक हासिल किया था।

भारत अब तक चांगवोन 2022 में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक सहित पांच पदक जीत चुका है।

कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण करने का प्रण लिया

भीनमाल, (निसं)। जालोर जिला कांग्रेस सेवादल के तत्वाधान में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न संचार क्रांति के जनक स्वर्गीय राजीव गांधी की 78 वीं जयंती भीनमाल के कांग्रेसजनो ने सादगी से पुष्पांजलि अर्पित कर एवं मालवीय नगर स्थित सार्वजनिक पार्क में छायादार, ओषधि के पौधे लगाकर मनाई।

सेवादल जिलाध्यक्ष पुखराज विश्नोई के नेतृत्व में कांग्रेस सेवादल कार्यालय पर कांग्रेस जनों की उपस्थिति में फूलो की माला एवम पुष्प चढ़ा कर भारत रत्न स्वर्गीय गांधी को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जिलाध्यक्ष पुखराज विश्नोई ने कांग्रेस जनों को संबोधित करते हुए बताया कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी भारत में सूचना क्रान्ति के जनक थे, जिन्होंने देश में कम्प्यूटराइजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रान्ति की शुरुआत की, जिसकी बदौलत आज हमारा भारत देश विश्व में विकसित देशों की श्रेणी में जाना जाता है, जिसका श्रेय भारत रत्न राजीव गांधी को जाता है। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में महिलाओं को 33 फीसदी रिजर्वेशन दिलवाने का काम उन्होंने किया और स्व. गांधी ने मानव सेवा को प्राथमिकता दी।

पश्चिमी राजस्थान में इन्दीरा गांधी नहर परियोजना कांग्रेस पार्टी व स्वर्गीय राजीव गांधी की विकासशील सोच की देन है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 50 करोड की बजट राशि भीनमाल शहर में पेयजल आपूर्ति सुधार हेतु दी है, उसके लिए आभार प्रकट किया। युवाओं के लिए मतदान की उम्र 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष तक के युवाओं को चुनाव में वोट देने का अधिकार राजीव गांधी ने दिलवा कर युवाओं को देश की सरकार चुनने का अधिकार दिलाया,

जालोर महिला कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने गई। फोटो-राष्ट्रदूत

अन्त में जिलाध्यक्ष पुखराज विश्नोई ने सभी कांग्रेस जनों से भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के पद चिन्हों पर चलने का आव्हान किया।

पुष्पांजलि कार्यक्रम के उपरांत सभी कांग्रेस जनों द्वारा जिलाध्यक्ष पुखराज विश्नोई के नेतृत्व में भारत रत्न राजीव गांधी की याद में सेवादल का हर योद्धा लगाएगा पौधा अभियान की शुरुआत मालवीय नगर स्थित सार्वजनिक पार्क में छायादार व औषधीय पौधे लगा कर की गई।

जिलाध्यक्ष पुखराज विश्नोई ने सभी कांग्रेस जनों से आव्हान किया की प्रकृति को बचाने के लिए कांग्रेस सेवादल संगठन द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष पुखराज विश्नोई, संतोष मालवीय, रुपाराम मेघवाल, जैसाराम मेघवाल, दिनेश माली, भंवर माली, श्रवण बंजारा, जीवन सिंह रावणा, राजु सिंह रावणा, भवरसिह रावणा, रमजान खान, भुरा भाई, दिपक सरगरा, राकेश सरगरा, प्रकाश शर्मा, किशन शर्मा, जगदीश जाणी सहीत कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली में

जालोर, (कासं)। जालोर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष शोभा सुन्देशा के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ता शुक्रवार रात्रि को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने रवाना हुई। दिल्ली में स्व. राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित महिला राजनैतिक सशक्तिकरण दिवस के कार्यक्रम में भाग लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जालोर शहर के रेलवे स्टेशन से शुक्रवार रात्रि को ट्रेन से महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष शोभा सुन्देशा के नेतृत्व में कार्यकर्ता शनिवार सुबह दिल्ली पहुंचकर महिला राजनैतिक सशक्तिकरण दिवस कार्यक्रम में जालोर जिले का प्रतिनिधित्व किया।

कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने से महिला शिक्षा, पार्टी में महिला की भूमिका को लेकर अपनी बात रखी।

सुन्देशा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी भारत में सूचना क्रान्ति के जनक थे, जिन्होंने देश में कम्प्यूटराइजेशन और टेलीकम्युनिकेशन क्रान्ति की शुरुआत की, जिसकी बदौलत आज हमारा भारत देश विश्व में विकसित देशों की श्रेणी में जाना जाता है, जिसका पूरा श्रेय भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी को जाता है।

इस दौरान जालोर महिला कांग्रेस ब्लांक अध्यक्ष रशीदा जोया, पार्वती जीनगर, गोमती मेघवाल, महासचिव चम्पा रांगी, पूर्व जिला महामंत्री अंजू , सरपंच बब्बी देवी , सजन कंवर, ब्लॉक सचिव देसु देवी उपस्थित रही।

जिला कांग्रेस कमेटी ने स्व. राजीव गांधी जी की 78 वी जयंती को सदभावना- दिवस के रूप में एक विचार गोष्ठी का आयोजन कर राजीव गांधी भवन जालोर में कार्यक्रम आयोजित किया।

सर्वप्रथम समस्त कांग्रेसजन ने स्व. राजीव की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर एवम दो मिनिट का मौन धारण कर उन्हें याद किया व उनके बताए गए मार्गो एवं आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, आहोर के सवाराम पटेल, जिला प्रवक्ता योगेन्द्र सिंह कुम्पावत, पूर्व प्रधान भंवरलाल मेघवाल, जिला सचिव सरोज चौधरी, पूर्व सेवादल जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र जोशी, पार्षद राजेन्द्र सोलंकी, मिश्रीमल गहलोत, लक्ष्मण सिंह सांखला,बसन्त सुथार, मनोनीत पार्षद सुरेश मेघवाल, महिला जिला उपाध्यक्ष ममता माली, युकां विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष लक्ष्मीकांत दवे, पूर्व पार्षद देवाराम सांखला, जोगाराम सरगरा, ओमप्रकाश चौधरी, कपुराराम परिहार, पुखराज माली, सुमेरमल जीनगर,प्रकाश परमार सहित कांग्रेसजन मौजूद थे।

'प्रशासन शहरों के संग का लाभ लें'

पोकरण, (निसं)। उपनिवेशन विभाग मंत्री सालेह मोहम्मद शनिवार को पोकरण के दौरे पर रहे।

नगर पालिका द्वारा आयोजित पट्टा वितरण कार्यक्रम में शिरकत कर पट्टे वितरित किए। वही मंत्री ने जनसुनवाई कर आमजन के अभाव अभियोग सुने एवं

- **सरकार आमजन को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है**

संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में सक्रिय रह कर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देकर उन्हें याद किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी राजेश विश्नोई पालिका अधिशासी अधिकारी तनुजा सोलंकी पार्षद नारायणरंगा मांगीलाल गहलोत कांग्रेसी युवा नेता पूर्व पार्षद विजय व्यास सहित कई लोग उपस्थित रहे पालिका सभागार में पट्टे वितरित करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार आमजन को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े कार्यों को त्वरित गति से करें। सरकार आमजन से जुड़े कार्यों को समय पर कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पट्टे से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से कराएं। मंत्री ने जनसुनवाई में कहा कि जन समस्याओं के निवारण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। मुख्यमंत्री स्वयं इसकी मॉनिटरिंग करते हैं। पीसीसी सहित ग्राम पंचायत स्तर तक तौर पर जनसुनवाई की कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

नियमित जनसुनवाई की जाती है। वे स्वयं अपने आवास एवं क्षेत्र के दौरे पर आमजन के अभाव अभियोग सुनते हैंसंबंधित अधिकारियों को टेलीफोन पर निर्देश देकर निस्तारण करवाते हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने पोकरण नगर पालिका मे जनसुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। पानी, बिजली, स्वास्थ, शिक्षा एवं पंचायतीराज विभाग से जुडी पारिवेदनाएं प्राप्त हुई।

सार-समाचार

कांस्टेबल को बहाल करने की मांग

रानी, (निसं)। श्री राजपूत सेवा समिति रानी की ओर से जालोर जिले के सुराणा प्रकरण की निष्पक्ष जांच रोकने व निर्दोष कांस्टेबल का निलंबन बहाल करने की मांग को लेकर के मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी रविकांत सिंह को ज्ञापन दिया गया। सेवा समिति के अध्यक्ष महावीर सिंह कुम्पावत ने बताया कि जालोर जिले के सुराणा गांव में इंद्र मेघवाल के दुर्भाग्यवश मृत्यु पर राजपूत समाज गहरा दुख प्रकट करता है लेकिन प्रकरण को लेकर के अनेक संगठन व राजनीतिक दल झूठे द्वेषपूर्ण कारको को माध्यम बनाकर समाज में दूरियां बढाने वाली गंदी राजनीति कर समाज में अनावश्यक विभाजन की लकीरें खींच रहे हैं राजपूत समाज एक सामाजिक समरसता का संदेश देने वाले महान पूर्वजों की परम्परा निभाने वाला समाज हैं और उस समाज में जन्म लेने वाला ऐसी घिनौनी हरकत नहीं कर सकता हमारा समाज मुख्यमंत्री से मांग करता हैं कि जातिद्वेषता फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर कडी कार्यवाही करें व प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर निर्दोष कांस्टेबल थान सिंह का निलंबन बहाल करें। इस अवसर पर हीर सिंह लौटता सज्जन सिंह,महिपाल सिंह, हनुवन्त सिंह, महिपाल सिंह खोड, माधु सिंह ,नरपत सिंह गुडा, ओमकार सिंह, महेंद्र सिंह महेचा, भंवर सिंह कुंपावत ,अजय पाल सिंह विक्रम सिंह भीमसिंह गुडा पृथ्वीराज, हडमत सिंह जेतपुरा, सुगन सिंह ,गिरधारी सिंह, योगेश सिंह राठौड ,महावीर सिंह ऐलानी, अजय पाल सिंह गुडा ठाकुर जी आदि राजपूत समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

योजनाओं का लाभ देने की मांग की

रानी, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ आमजन को बराबर नहीं मिलने का कारण बताते हुए वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता इंदरसिंह राजपुरोहित निम्बाडा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कांग्रेस जन कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई । उन्होंने सरकार द्वारा जन हित मे किये जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि जिला व ब्लॉक स्तरीय नेता गांवों में जाकर कार्यकर्ताओं से सम्पर्क कर उनके साथ बैठकें लेकर उन्हें मार्गदर्शन करते तो कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार होता जिससे आम आदमी योजनाओं का लाभ लेता।उन्होंने उन जिला व ब्लॉक स्तर के नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य स्तरीय नेता या मंत्रियों के आने पर उनके दौरे के समय स्वागत करने व उनके दांत फोटो खिंचवाने के लिए व शोसियल मीडिया व वाट्सएप तक सीमित रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा की धरातल पर डिजीटल सदस्यता अभियान व सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने वाले कार्यकर्ताओं को हासिये पर रखा जाता है । उन्होंने मुख्य मंत्री से मांग की है कि जिला व ब्लॉक लेवल के नेताओं को गांवों में भेज कर जनता के बीच कार्य करने के लिए पाबन्द करें।

सुराणा प्रकरण में न्याय दिलाने की गुहार

रानी, (निसं)। जालोर के गांव सुराणा सायला में मासूम इंद्र मेघवाल की हत्या को लेकर उसके परिवार को न्याय दिलाने के लिए मारवाड जंक्शन विधान सभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी जसाराम राठौड ने मुख्य मंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर न्याय दिलाने की मांग की है। उन्होंने इंद्र मेघवाल की मृत्यु को दुखद बताते हुए मृतक के परिवार को उचित मुआवजा राशि दिलाने एवं घटना के संदर्भ में कठोर कदम उठाने की मांग की ।उन्होंने पत्र में मांग की है कि उक्त घटना के सम्बंध में राजीनामे का दबाव बनाने वालों एवं इस घटना को दबाब वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने एवं गवाहों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। जे के राठौड ने मुख्यमंत्री से मुआवजा राशि 5 लाख के बजाय 50लाख देने की मांग की है।

पेंशनर समाज उपशाखा सायला के चुनाव

सायला, (निसं)। राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा सायला के चुनाव शनिवार को जिलाध्यक्ष धनराज दवे, चुनाव प्रभारी प्रेमसिंह, कोषाध्यक्ष मधुश्याम एवं सचिव बद्रीप्रसाद की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। चुनाव में खंगाराराम जीनगर को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। जबकि संरक्षक लक्ष्मीनारायण खत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शांतिलाल दवे, उपाध्यक्ष फूसाराम पारंगी, कोषाध्यक्ष मुन्नीलाल दवे, सचिव घेवरचंद राठौड़, सहसचिव हबताराम मेघवाल, सलाहकार भंवरसिंह देवड़ा, संगठन मंत्री फतेहसिंह चंपावत, प्रचार मंत्री छोगाराम चौधरी, खेलमंत्री हनुमानसिंह, सदस्य पहाड़सिंह, राजेश जैन, जगाराम माली, घनश्याम जीनगर, सकाराम, डूंगाराम गर्ग, उम्मेदसिंह को नियुक्त किया गया। सभी पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी द्वारा शपथ दिलाई गई।

एम्बुलेंस में गूंजी किलकारी

सायला, (निसं)। सायला क्षेत्र के मेंगलवा निवासी एक गर्भवती महिला को शनिवार को एम्बुलेंस से हॉस्पिटल रेफर करते समय तीव्र प्रसव पीड़ा होने पर नर्स की सूझबूझ से एम्बुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव करवाया गया। खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रघुनंदन बिश्नोई ने बताया कि शनिवार प्रात: करीब साढ़े दस बजे एम्बुलेंस 108 के स्टाफ के पास इमरजेंसी कॉल आया तथा बताया कि मेंगलवा में एक गर्भवती महिला भाटा देवी पत्नी जगदीश मेघवाल को पूर्ण प्रसव पीड़ा है और किसी भी समय प्रसव हो सकता है। इस आपातकालीन स्थिति में बिना समय गंवाए एम्बुलेंस पायलट राकेश कुमार यथाशीघ्र मेंगलवा पहुंचे तथा गर्भवती महिला को एम्बुलेंस में सवार कर हॉस्पिटल रेफर करने के लिए रवाना हुए। लेकिन बीच रास्ते मे गर्भवती महिला को तीव्र प्रसव पीड़ा होने पर एम्बुलेंस में कार्यरत नर्स स्टाफ नवरतन मेवाड़ा ने अपनी सूझबूझ से महिला का सुरक्षित प्रसव करवाया। इसके बाद महिला एवं नवजात शिशु को राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सायला में भर्ती करवाया गया। जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ है।

गायों का उपचार किया

रानी, (निसं)। रानी उपखण्ड क्षेत्र में पशुओं में फैली बीमारी की रोकथाम एवं इलाज के लिए उपखण्ड अधिकारी रविकांत सिंह के निर्देशन में पशु चिकित्सालय प्रभारी डॉ जगदीश रावल के नेतृत्व में उपखण्ड स्तर पर पशु चिकित्सालय की टीम जिनमे सभी कम्पाउंडर सहित स्टाफ तत्परता से कार्य कर रहा है। उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि 20 अगस्त तक लम्पी बीमारी के 17263 पशुओं का सर्वे किया। 19 अगस्त को 1031 का सर्वे किया। लम्पि पॉजिटिव कुल 1335 आये 32० पशु रिकवर हुए व 68 पशुओं की मृत्यु हुई।

मतदाताओं के लिए विशेष शिविर

रानी, (निसं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची में मतदाताओं के विवरण के प्रमाणीकरण के लिए स्वैच्छिक आधार पर मतदाताओं से आधार डाटा या अन्य वैकल्पिक दस्तावेजों के साथ फार्म 6 बी भरने के लिए जिले में प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष शिविर आयोजित किये जायेंगे। उपखण्ड अधिकारी रविकांत सिंह ने बताया कि रानी उपखण्ड में 21 अगस्त एवं 18 सितम्बर रविवार , 9 एवं 16 अक्टूबर रविवार , 13 एवं 27 नवम्बर रविवार, 11 एवं 25 दिसम्बर रविवार को विशेष शिविर प्रत्येक मतदान केंद्र पर आयोजित किये जायेंगे।

आयुर्वेद औषधालय का निरीक्षण

रानी, (निसं)। रानी के पास गांव बिजोवा के आयुर्वेदिक औषधालय का निरीक्षण सहायक निदेशक आयुर्वेद विभाग पाली डॉ बजरंगलाल शर्मा ने आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के तहत हुए निर्माण कार्य तथा औषधालय की नियमित गतिविधियों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सा के प्रचार व प्रसार को बढावा देने हेतु औषधालय स्टाफ को मार्ग दर्शित किया। इस अवसर पर डॉ विजयपाल सिंह राणावत , कम्पाउंडर नारायणलाल प्रजापत , सहायक अभियंता सुखराम विश्नोई , ठेकेदार भवानीसिंह एवं भोलाराम चौधरी सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

युवक ने इहलीला समाप्त की

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर के जोधपुर रोड स्थित जलदाय विभाग के पास युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। पुलिस सुत्रो से मिलरही जानकारी के अनुसार वहां से गुजर रहे लोगों में पुलिस को बताया कि मृतक पेड़ से युवक ने फांसी लगाकर लटक रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से सम्पर्क कर किया। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार मृतक गंगाराम पुत्र डूंगरराम मेघवाल निवासी पांचला खुर्द ओसियां जिला जोधपुर का बताया जा रहा है।

बंद मकान में चोरों ने लगाई सेंध

जोधपुर, (कासं)। बोम्बे योजना चौखा गांव में एक सूने पड़े मकान में सेंध लगाकर सामान के साथ नगदी जेवर चोरी कर लिए गए। राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि कमला नेहरू नगर बी -195 में रहने वाली किरण पत्नी फूसाराम की तरफ से रिपोर्ट दी गई।

आदर्श सोसायटी का सामान लेने आई टीम को सुनाई खरी खोटी

सायला, (निसं)। सायला उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी की बन्द शाखा को खाली करने आई टीम को शनिवार को निवेशकों व एजेंटों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान निवेशक शाखा के मुख्य गेट पर ही धरने पर बैठ गए।

हॉस्पिटल रोड पर स्थित आदर्श क्रेडीट को-ऑपरेटिव सोसायटी शाखा सायला में भारी अनियमितताओं के बाद से करीब चार वर्षों से शाखा बंद पड़ी है। लेकिन शनिवार दोपहर को आदर्श सोसायटी से नियुक्त किरण सोनगरा जालोर व एक एजेंट अचानक शाखा को खाली करके समान ले जाने के लिए आ गए। जिसकी जानकारी निवेशकों व एजेंटों को मिली तो सभी धीरे धीरे शाखा के आगे जमा हो जाने लगे।

सभी लोग किरण सोनगरा से जमा राशि को दिलाने के बाद ही सामान ले जाने की बात कहने लगे। अन्यथा ताला नही खोलने देने की बात कही। जिस पर सोनगरा ने कहा कि काफी समय से आप सब्र कर रहे हो तो कुछ समय और रुक जाओ ताकि इसमें से दस्तावेज आगे पेश कर राशि दिलाने की कार्यवाही की जा सके, लेकिन निवेशक व एजेंट जमा राशि दिलाने की मांग पर अडे रहे।

इस दौरान एक बारगी तो माहौल गर्मा गया तथा लोग नारेबाजी करने लगे। वही निवेशक कहने लगे कि हमने काफी मेहनत से पैसा कमाकर भविष्य के लिए जमा करवाया था। ताकि आवश्यकता के समय काम आएगा, लेकिन सोसायटी परिवार की नीतियों के कारण पैसों के लिए मोहताज होने को मजबूर है। बाद में ग्रामीणों के आक्रोश के बाद किरण सोनगरा चली गई।

वही ग्रामीणों ने पुलिस थाने जाकर मामले की जानकारी दी। इस संबंध में एसडीएम सूरजभान विश्नोई ने किरण सोनगरा को जिला कलेक्टर से आदेश लाने की बात कही।

इस दौरान अशोक अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, पूर्णसिंह, तरुण त्रिवेदी, अक्षय त्रिवेदी, दलपत घांची, धर्मेश कानेकर, अम्बालाल छीपा सहित निवेशक व एजेंट मौजूद थे।

हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौत

पाली , (नि.सं.)। रामदेवरा (जैसलमेर) दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

हादसा शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे पाली जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज-सिरोही हाईवे (बाईपास) पर हुआ। ट्रॉली में 20 से 25 लोग सवार थे। ट्रॉली सिरोही की तरफ जा रही थी। बताया जा रहा है कि सामने से रॉन्ग साइड से दो ट्रेलर आ रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि ट्रॉली में सवार सभी श्रद्धालु उछलकर सड़क पर जा गिरे। अभी तक 4 श्रद्धालुओं की मौत की सूचना है।

सीओ सुमेरपुर रजत विश्नोई, थाना प्रभारी सुमेरपुर रामेश्वर भाटी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से घायलों को शिवगंज (सिरोही) और सुमेरपुर (पाली) सीएचसी में एडमिट कराया।

सभी श्रद्धालु गुजरात के बनासकांठा जिले के हैं। अधिकतर कुकड़ी गांव के हैं। हादसे की सूचना के बाद सिरोही कलेक्टर डॉ. भंवर लाल व एसपी ममता गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। पाली कलेक्टर नमित मेहता और एसपी डॉ. गगनदीप सिंघला ने भी घटना की जानकारी जुटाई।

वृक्ष हमारे जीवन के अमूल्य अंग हैं : गजेंद्र कुमार

सिवाना के राजकीय चिकित्सालय के बगीचे में पौधारोपण किया। फोटो-राष्ट्रदूत

सिवाना, (निसं)। बाड़मेर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिवाना पर शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार ने अस्पताल परिसर सिवाना के बगीचे में पौधारोपण किया।

इस मौके पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सरकारी परिसरों पर ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने एवं आमजन से पौधारोपण कर धरती को हरा भरा बनाने का आव्हान किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा की वृक्ष हमारे जीवन के अमूल्य अंग है। वृक्ष हमारे जीवन का आधार है। अधिक से अधिक संख्या में आमजन पौधारोपण करें। इस मौके पर चिकित्सा प्रभारी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष अस्पताल की समस्याओं को लेकर अवगत करवाया। जिस पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात की। जिस पर अधिकारियों द्वारा जल्द ही समस्या समाधान का आश्वासन दिया गया।

इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉक्टर देवराज कडवासरा के साथ एपीपी जितेंद्रसिंह शेखावत, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष खीमाराम आकबल, एडवोकेट लादाराम परमार, दिलीपसिंह भाटी, महेंद्र कुमार, थानसिंह,बलवंतसिंह, सहित सिवाना अस्पताल के वरिष्ठ नर्सिंगकर्मी रोशनलाल माथुर, खंगारदान राव, राजूसिंह राव, अंदाराम चौधरी, एएनएम मूमल खेतानी, काउंसलर खीमाराम, वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन चेनाराम भाटी, कुंदनमल जीनगर सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

ए.बी.वी.पी.की सदस्यता ली

पिंडवाड़ा, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय पिण्डवाड़ा के छात्र संघ चुनाव से पहले एनएसयूआई पदाधिकारियों ने एबीवीपी की सदस्यता ग्रहण की गई। प्राप्त जानकारी के

- **स्वामी विवेकानंद की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर शुरुआत की**

अनुसारएन एस यूआईके महासचिव प्रत्याशी संजय बंजारा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पूर्व प्रांत संयोजक सुरेंद्र सिंह राठौड़ की प्रेरणा से एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को एबीवीपी की सदस्यता ग्रहण कराई। एबीवीपी के राठौड व नगर अध्यक्ष हनुमान प्रसाद ने इकाई महासचिव पूनम कुमार, दशरथ मेघवाल, इकाई सचिव हिमांशु कुमार पीराराम देवासी, ओम प्रजापत, गोविंद मेवाडा, वदन देवासी रोनक प्रजापत सहित अन्य पदाधिकारियों ने एनएसयूआई के पद से इस्तीफा देकर एबीवीपी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर राठौड ने कहा कि विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बडा छात्र संगठन है जो राष्ट्रवादी विचारधारा का निर्माण करता है। भारत को विश्व गुरु बनाने का लक्ष्य और एबीवीपी की विचारधारा से प्रभावित होकर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं न इस्तीफा देकर एबीवीपी ज्वाइन की है। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर वागेंद्र देवासी विक्रम सिंह डाबी, योगेश रावल, संजय पुरी, विक्रम रावल सहित सैकडों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाइड प्रशिक्षण परीक्षा आज

जोधपुर, (कासं)। पर्यटन विभाग द्वारा गाइड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम परीक्षा का आयोजन 21 अगस्त को राज्य के 14 परीक्षा केन्द्रो पर किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक डॉ. सरिता फिडौदा ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से राज्य को स्थानीय स्तर के 5 हजार पर्यटक गाइड एवं राज्य स्तर के एक हजार गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयनित किए जायेंगे।

उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर गाइड परीक्षा का आयोजन प्रात: 9:30 बजे से 11 बजे तक एवं राज्य स्तरीय गाइड परीक्षा का आयोजन अपरान्ह 2 बजे से 4 बजे तक किया जायेगा।

मधुमेह ,उच्च रक्तचाप की जांच की

जालोर, (निसं)। जिला प्रशासन एवं चिकित्सा विभाग जालोर के संयुक्त तत्वावधान में एनसीडी क्लीनिक प्रमुख चिकित्सा अधिकारी जालोर की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय

- **मरीजों के बीपी, शुगर की जांच कर परामर्श दिया**

मधुमेह एव हृदय रोग ,पक्षाघात बचाव नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गोडिजी मंदिर के पास एनसीडी क्लीनिक आउटरीच चिकित्सा शिविर का आयोजन कर मरीजों के बीपी शुगर की जांच कर परामर्श दिया शिविर में कुल दस॰मरीजों की बीपी शुगर की जांच कर परामर्श दिया गया।

शिविर में उच्च रक्तचाप के पांच व मधुमेह के 17 रोगी पाए गए जिन्हें जिला चिकित्सालय फिजिशियन के पास रेफर किया गया।

मरीजों को उच्च रक्तचाप और मधुमेह के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

शिविर में तीस वर्ष से अधिक उम्र के रोगियों की मधुमेह उच्च रक्तचाप की जांच की गई।

जालोर के गोडीजी में चिकित्सा विभाग ने एन.सी.डी. शिविर का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

शिविर में सामान्य चिकित्सालय जालोर से डॉ. गौरव सिहाग, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर शहजाद खान ,जीएनएमटीसी जालोर के प्रशिक्षणार्थी यशवंत सिंह सनी नारायण,मांगीलाल जोशी, देवी ने अपनी सेवाएं देकर मरीजों को लाभान्वित किया।

शिविर में मुकेश माहेश्वरी, लूणकरण टांक, मुनोवर अली, दलीचंद जीनगर, कांतिलाल हीरागर ,बंशीलाल प्रजापत, इंसाफ अली ,चतराराम गर्ग, रमेश लोहार , हीराचंद, जबर सिंह देवडा ने योगदान दिया।

आहोर में सांसद हनुमान बेनीवाल का स्वागत

आहोर, (निसं)। सांसद हनुमान बेनीवाल के शनिवार को जालोर जाते समय आहोर क्षेत्र में उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया।

बेनीवाल का भाद्राजून, जोड चौराहे तथा भैंसवाड में साफा व मालाऐं पहनाकर स्वागत किया।

इस दौरान सांसद बेनीवाल ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार में कानून व्यवस्था एकदम चौपट हो गई है। दलितों व महिलाओं के साथ अत्याचारों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। देश में सुराणा गांव की घटना झकझोर करने वाली है। आजादी के 75 साल बाद भी जाति के नाम पर छुआछूत जैसी घिनौनी परंपरा आज भी राजस्थान में मौजूद है। ऐसी कुरीति को जड़ से उखाड़ फेंकना हम सभी का कर्तव्य है।

इस बीच शंखवाली गांव में दो साल पहले लक्ष्मण मीणा की हत्या का अभी तक खुलासा नहीं होने पर पीड़ित परिवार ने बेनीवाल को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई करने की मांग की।

इस मौके किसान नेता प्रताप आंजना सहित कई लोग मौजूद थे।

वैज्ञानिकों ने बोर्नियो के अंधेरे जंगलों में एक अजीब से मांसाहारी पौधे की खोज की है, जो अपने शिकार को जमीन के अंदर पकड़ता है। चैक वैज्ञानिकों के नेतृत्व वाली एक अन्तर्राष्ट्रीय टीम ने पुष्टि की है कि, ''निपेंथस पुडिका'' पिचर प्लांट की ऐसी पहली प्रजाति है, जिनके पौधे जमीन के अंदर शिकार करते हैं। पिचर प्लांट मुख्यतः दक्षिणपूर्व एशिया में मिलते हैं। ऊपर चढ़ने वाली इन लताओं की पत्तियाँ रंगीन और जग के आकार की होती हैं जिनमें तरल पदार्थ होता है। पत्ती के सिरे पर बैठने वाले कीड़ों को ये पत्तियां अंदर खींच लेती हैं। यूरोप में ये पौधे काफी लोकप्रिय हैं, जहां 18 वीं सदी से इन्हें लोग अपने बगीचों में उगाते हैं। पैलकी युनिवर्सिटी के डिपार्टमैंट ऑफ इकॉलजी एण्ड एनवायरमैंट के मार्टिन डैनका ने कहा ''हमने एक ऐसा पिचर प्लांट खोजा है, जो अन्य ज्ञात प्रजातियों से एकदम अलग व्यवहार करता है। इस नई प्रजाति के फूलों के कप जमीन में 11 सैंटीमीटर अंदर होते हैं तथा जमीन के अंदर मिलने वाले अकशेरुकी जीवों, खासकर चींटियों, विभिन्न प्रकार की दीमक व बीटल्स को खा जाते हैं। फूलों के कप्स में मीठा तरल भरा होता है जो कीटों को आकर्षित करता है और एक बार कोई जीव जब पिचर में गिर जाता है तो बाहर नहीं निकल पाता, वहीं मर जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह मांसाहारी प्रजाति अपने ट्रैप्स को भूमि के नीचे इसलिए छुपाती है क्योंकि, संकड़ी पहाड़ियाँ, जिन पर ये पौधे उगते हैं, तुलनात्मक रुप से जल्दी सूख जाती हैं। दूसरी तरफ भूमिगत कन्दराओं में नमी होती है और भोजन की भरमार भी। वैज्ञानिकों को सबसे पहले ये पिचर एक पेड़ के नीचे गुहिका में छुपे मिले थे। विशेषज्ञ लुबोस महिस्की ने बताया, ''इसके बाद हमने ऐसे ही कई पेड़ देखे, हमने पाया कि इस प्रजाति की शाखाएं जमीन में जाती हैं।'' वैज्ञानिकों का मत है कि मांसाहारी पौधों की इस प्रजाति की खोज से स्थानीय वनों के संरक्षण में मदद मिलेगी। टीम में शामिल इण्डोनेशिया के वैज्ञानिक वेविन जिआस्मान्तो ने कहा कि, यह खोज इण्डोनेशिया में नेचर कंज़र्वेशन के लिए महत्वपूर्ण है, इससे बोर्निओ के ट्रॉपिकल रेन फॉरेस्ट और इसकी जैव विविधता की महत्ता स्पष्ट होती है। वेविन इण्डोनेशियन सैंटर फॉर द प्रोटैक्शन ऑफ वैंटलैंड बायोटॉप्स के लिए काम करते हैं।

'आप कभी मुझे जवाब क्यों नहीं देते?'

अहमद पटेल के पुत्र, फैज़ल पटेल ने मु.मंत्री के ओ.एस.डी. शशिकांत शर्मा पर आरोप लगाया कि, ओ.एस.डी. उनके फोन तक नहीं उठाते

- **फैज़ल पटेल ने सोशल मीडिया पर यह भी लिखा कि, अल्पसंख्यक पृष्ठ भूमि के गरीब लोग मुझसे सम्पर्क करते हैं तथा साधारण कामों के लिये मदद मांगते हैं। मेरे दिवंगत पिता के बाद वे मुझसे उनकी समस्याओं का समाधान करने की उम्मीद करते हैं।**
- **बसपा मूल के विधायक वाजिब अली व वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अमीन खां भी अल्पसंख्यकों के काम न होने पर नाराजगी जता चुके हैं।**

जयपुर, 20 अगस्त (का.प्र.)। राजनीति में समय कितना तेजी के साथ बदलता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है अहमद पटेल का परिवार। जब अहमद पटेल जिंदा थे, तो उनकी कही गई बातों की कांग्रेस में अक्षरश: पालना होती थी, लेकिन अब समय ऐसा आ गया है कि उनके पुत्र को सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया पर लिखकर कहना पड़ रहा है कि मुख्यमंत्री के ओएसडी फोन तक नहीं उठाते। दरअसल अहमद पटेल के पुत्र फैसल ने एक ट्वीट करके राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी शशिकांत शर्मा पर सीधे आरोप लगाते हुए लिखा है कि '' शशिकांत शर्मा, तुम कभी मुझे जवाब क्यों नहीं देते?

इस ट्वीट के बाद खलबली मचना तय थी, और हुआ भी ऐसा ही। बाद में डैमेज कंट्रोल किया गया और इसके बाद फैसल ने यह ट्वीट हटा भी दिया, लेकिन यह ट्वीट तब तक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो चुका था।

गांधी परिवार के सबसे नजदीकी और कांग्रेस में सबसे शक्तिशाली नेताओं में शुमार रहे दिवंगत अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल कांग्रेस में अपनी अनदेखी को लेकर नाराजगी जताते आए हैं।

फैसल पटेल का एक ट्वीट अलसुबह 4 बजकर 57 मिनट पर पोस्ट हुआ, जिसमे राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत के ओएसडी को निशाने पर लिया गया था। इस ट्वीट के सामने आते ही कांग्रेस नेताओं में चर्चा होनी ही थी। ऐसे में चर्चाएं हुई, तो डैमेज कंट्रोल का प्रयास करते हुए पांच घंटे बाद ट्वीट को डिलीट करा दिया गया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को टैग करते हुए फैसल पटेल ने लिखा था – शशिकांत शर्मा, तुम कभी मुझे जवाब क्यों नहीं देते ? फैसल का कहना है कि अल्पसंख्यक पृष्ठभूमि के गरीब लोग मुझसे संपर्क करते हैं।

मुझसे राजस्थान में साधारण काम के लिए मदद मांगते हैं। मेरे दिवंगत पिता अहमद पटेल के बाद वे मुझसे उनकी समस्याओं का समाधान करने की उम्मीद करते हैं।

अहमद पटेल ना सिर्फ कांग्रेस के सबसे ताकतवर नेताओं में से एक थे, बल्कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ताकत देने के साथ मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने में उनका सबसे बड़ा योगदान भी माना जाता है। फैसल पटेल को सार्वजनिक रूप से शशिकांत के खिलाफ लिखने की जरूरत पड़ी है, तो इसके राजनीतिक रूप से काफी गहरे मायने लगाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के ओएसडी के खिलाफ बोलने के अलावा फैसल पटेल ने गरीब अल्पसंख्यकों के साधारण काम तक नहीं होने का भी मुद्दा उठाया है।

उल्लेखनीय है कि अल्पसंख्यकों के काम नहीं होने पर बसपा मूल के विधायक वाजिब अली भी नाराजगी जता चुके हैं। इसके साथ ही वरिष्ठ मुस्लिम विधायक अमीन खान भी अल्पसंख्यक मंत्रियों को मजबूत विभाग नहीं देने को लेकर नाराजगी जता चुके हैं।

दरअसल फैसल पटेल ने कांग्रेस आलाकमान के खिलाफ भी नाराजगी जताते हुए इसी साल अप्रैल में कहा था कि इंतजार करते-करते थक गया हूं। दरअसल फैसल पटेल का यह ट्वीट ऐसे समय पर आया है, जब गुजरात में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद विधानसभा चुनावों के लिए कैंपेनिंग शुरू कर चुके हैं। वहीं राजस्थान से गए मंत्री-विधायक भी विधानसभावार बैठक ले रहे हैं। इसलिए फैसल पटेल के इस समय किए गए इस ट्वीट के कई तरह के सियासी मायने हो सकते हैं।

बांग्लादेश की प्र.मंत्री शेख हसीना सितंबर में भारत आयेंगीं

- **दोनों देशों के विदेश मंत्रालय इस संबंध में आपस में चर्चा कर शेख हसीना और प्र.मंत्री मोदी के बीच मीटिंग के मुद्दे फिक्स कर रहे हैं।**

नई दिल्ली, 20 अगस्त। भारत और बांग्लादेश के बीच सितंबर में व्यापार, संपर्क और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बड़ी चर्चा के आसार हैं। खबर है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत का दौरा करने जा रही हैं। वहीं, सितंबर में भारत आ सकती हैं। गुरुवार को ही हसीना ने बांग्लादेश में रह रहे हिंदू समुदाय के अधिकारों की बात की थी। उन्होंने अन्य धर्मों को मानने वाले लोगों से अपने आप को अल्पसंख्यक नहीं मानने की अपील की थी।

बांग्लादेश की पीएम हसीना 5 सितंबर को भारत आ सकती हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश मंत्रालय, सुरक्षा अधिकारियों और ढाका की टीम समेत भारत से इस दौरे के संबंध में चर्चाएं कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि वह 8 सितंबर तक भारत में रहेंगी।

चार दिवसीय यात्रा के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भारतीय नेताओं से मुलाकात कर सकती हैं। इसके अलावा वह जयपुर और अजमेर शरीफ की यात्रा कर सकती हैं। 8 सितंबर को उनके ढाका लौटने की संभावना है। खबर है कि पी.एम. मोदी अपनी बांग्लादेशी समकक्ष के साथ संयुक्त रूप से वर्चुअली स्वाधीनता सड़क का उद्घाटन कर सकते हैं। 6 सितंबर को द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, संपर्क और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अहम चर्चा हो सकती है।

इसके अलावा सूत्रों ने बताया कि भारत और बांग्लादेश सीमा प्रबंधन, विकास सहयोग पर भी बातचीत कर सकते हैं।

खास बात है कि करोना महामारी शुरू होने के बाद पहली बार हसीना भारत यात्रा कर रही हैं। इससे पहले वह 2019 में भारत आई थीं। वहीं, पी.एम. मोदी बीती मार्च में बांग्लादेश गए थे।

आज राजीव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विस्तृत टैलीकॉम नैटवर्क के बिना भारत के आई.टी. और आई.टी.सर्विसेस वैश्विक ताकत नहीं बन सकती थीं जो बाद में बन गईं। 1980 में दशक में एक शहर से दूसरे शहर में किए जाने वाले फोन कॉल्स के खर्चों और जद्दोजहद को कोई याद कर सकता हैं। वे दु:स्वपन हुआ करते थे।

एक अन्य महत्वपूर्ण अग्रिम सोच थी सिविल एविएशन सैक्टर को प्रतिस्पर्धा के लिए खोलना राजीव गांधी स्वयं एक दक्ष पायलट थे और उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की एण्डियन एयरलाइन्स के विमान उड़ाए थे। उन्होंने वो समय देखा था जब सार्वजनिक क्षेत्र की दोनों एयरलाइन्स की विभिन्न ट्रेड यूनियन्स पूरी इण्डस्ट्री के कामकाज को ठप्प कर दिया करती थीं।

यदि एक दिन ग्राउण्ड इंजीनियर्स हड़ताल करते तो अगले दिन पायलट्स गिल्ड कुछ भत्तों या सुविधाओं की मांगों को लेकर उड़ाने निलम्बित कर देती थीं। यह सरल किन्तु हताशापूर्ण था। कलकता से दिल्ली था किसी अन्य दो शहरों के कनफर्म एयर टिकट प्राप्त करने के लिए एयरलाइन्स हाउस को फोन करके अपने काम का अनुरोध करना पड़ता था।

एयर टैक्सी सर्विसेस से ही शुरूआत करें तो राजीव गांधी के शुरूआती प्रयोगात्मक कदमों ने ही समूचे एयरलाइन सैक्टर को आर्थिक रूप से उदार बना दिया। आज मैं आश्चर्य करता हूं कि भारत में कितने लोग देश के शहरों में फ्लाइट से आते जाते हैं, लेकिन इण्डियन एयरलाइन्स इण्डस्ट्री को सार्वजनिक क्षेत्र के मजबूत दबदबे से बाहर निकालने की शुरूआती सोच के बिना यह कैसे संभव हो सकता था।

क्रमश:

अशोक गहलोत नहीं चाहते राजस्थान की जनता को पानी मिले: शेखावत

केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राज्य के मु.मंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोला

- **शेखावत ने कहा, केन्द्र ने 29 हजार करोड़ दिए, 4 हजार करोड़ भी खर्च नहीं किए, 25 हजार करोड़ पर सांप बन कर बैठे हैं।**
- **उन्होंने यह भी कहा कि, घर-घर पानी पहुंचाने की केन्द्र सरकार की योजना में देश के अन्य प्रदेशों के मुकाबले में राजस्थान 30वें पायदान पर है।**

किशनगढ़ बास, 20 अगस्त (निसं)। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर-घर पानी पहुंचाने की योजना के तहत राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार को एक करोड़ घरों तक पानी पहुंचाने के लिए 29 हजार करोड़ रूपए दिए लेकिन राजस्थान की सरकार ने उसमें से 4 हजार करोड़ रुपए भी जल योजना पर अभी तक खर्च नहीं किए हैं। 25 हजार करोड़ पर गहलोत सरकार सांप की तरह कुंडली मारकर बैठी है। केंद्रीय मंत्री ने यह बात किशनगढ़ बास में पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की ओर से किए स्वागत के दौरान अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार को डर है की मोदी की योजना का पानी राजस्थान की जनता को पिला दिया तो वह कही हमको होने वाले चुनाव में पानी नहीं पिला दे। इस सोच के कारण आज हमारा प्रदेश अन्य प्रदेशों के मुकाबले 30 व नंबर पर है।

हमारी केंद्र सरकार ने कोरोना से लड़ाई लड़ते देशभर में 10 करोड़ लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने का काम किया है।

उन्होंने कहा, एक कहावत है मोरिया पगा को देख कर खुद रोए हैं। लेकिन मैं वादा करता हूं, राजस्थान की सरकार राष्ट्रीय परियोजना की बात करती है मैं नदी परियोजना लेकर आऊंगा और योजना का 90 प्रतिशत पैसा देकर 2024 में होने वाले देश के चुनाव से पहले राजस्थान में घर-घर पानी पहुंचाने के संकल्प को पूरा कर नरेंद्र मोदी के सपनों को हम साकार करेंगे।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, राजस्थान की कांग्रेस सरकार के कुशासन के चलते महिलाएं, बालिकाएं सुरक्षित नहीं हैं, साधु-संतों पर आए दिन अत्याचार हो रहे हैं, कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है माफियाओं के हवाले प्रदेश को छोड़ा है। जनता एक-एक दिन का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा यह हमारे कार्यकर्ताओं की चूक का परिणाम है जो आज राजस्थान की आठ करोड़ जनता कांग्रेस सरकार के कुशासन की सजा भुगत रही है। 2023 के राजस्थान में होने वाले चुनाव से पहले पूरी ताकत के साथ भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता सरकार के अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ेगा और सरकार को बेनकाब कर नरेंद्र मोदी सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाकर लाभ दिलाने का काम करेगा।

केंद्रीय मंत्री के पहुंचने से पहले पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, पूर्व विधायक राम हेत सिंह यादव ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के राज में बिगड़ी अलवर जिले की कानून व्यवस्था व चरम सीमा पर पनप रहे भ्रष्टाचार और विकास में पिछड़ रहे अलवर जिले को लेकर प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे किशनगढ़ बास पहुंचे थे।

शेखावत का राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हेम सिंह भड़ाना, अलवर शहर पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, तिजारा पूर्व विधायक मामन सिंह यादव, पूर्व मंत्री जसवंत यादव के पुत्र मोहित यादव, जिला अध्यक्ष संजय सिंह नरूका, यूआईटी चेयरमैन रहे देवी सिंह शेखावत सहित अनेक नेताओं ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया।

डॉक्टरों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फार्मा कंपनी माइक्रो लैब्स लिमिटेड के वाइस प्रैसिडैंट जयराज गोविन्द राजू ने कहा कि ''हमने कोविड महामारी के दौरान डोलो-650 पर निश्चित रूप से एक हजार करोड़ रूपए खर्च नहीं किए थे क्योंकि कोई भी कंपनी एक ऐसे ब्राण्ड पर इतनी अधिक धनराशि खर्च नहीं करेगी जिसकी पीक सेल पिछले वर्ष 350 करोड़ रूपयों की रही हो।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि कोर्ट में जो राशि बतायी गई है वह फार्मा कॉरपोरेट द्वारा पिछले कई वर्षों में व्यय की गई कुल मार्केटिंग कोस्ट है। फैडरेशन ऑप मैडिकल सेल्स रिप्रैजेन्टेटिव्ज ऑफ इण्डिया (एफ.एम.आर.ए.आई.) द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट फार्मा मैन्युफैक्चरर्स द्वारा डॉक्टर्स पर अपनी दवाईयां लिखने का दबाव बनाने के भ्रष्टाचार को लेकर सावचेत हो गया था। एफ.एम.आर.ए.आई. ने अपनी याचिका में आयकर विभाग पर निगरानी रखने वाले सैन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरैक्ट टैक्सेस (सी.बी.डी.टी.) की इस टिप्पणी का हवाला दिया था कि डोला-650 के निर्माताओं ने मुफ्त उपहारों के रूप में 1 हजार करोड़ रूपए व्यय किए थे। नियमित फार्मा मार्केट पर यह जनहित याचिका वर्ष 2021 में दायर की गई थी।

'भद्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर. पर दिया गया था। सी.बी.आई. ने पहले वॉरंट दिखाया फिर ऑफिस व घर पर तलाशी ली।

हालांकि सिसोदिया को तुरंत गिरफ्तार नहीं दिया गया पर उन्हें आशंका है कि आगामी 2-4 दिन में उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

उन्होंने शनिवार को एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा, कि मुझे जेल भेजने की तैयारी हो रही है। उन्होंने दिल्ली की आबकारी नीति की तारीफ की और कहा कि इसे पूर्ण पारदर्शिता के साथ लागू किया गया था। इसमें कोई घोटाला नहीं हुआ।

परेशान किए जाने के लिए पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, मैं सी.बी.आई. को धन्यवाद देना चाहता हूं उन्होंने मेरे परिवार को कोई असुविधा नहीं पहुंचाई। उन्होंने भद्र व्यवहार किया। वे अच्छे अधिकारी थे पर उन्हें ऊपर से आदेश मिला था रेड डालने का।''

पाकिस्तान के प्र.मंत्री ने भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा जताई

- **डॉन अखबार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के हवाले से बताया कि, शरीफ ने गुरुवार को पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलिया के नवनियुक्त उच्चायुक्त नील हॉकिन्स के साथ बैठक के दौरान ये विचार व्यक्त किए।**

इस्लामाबाद, 20 अगस्त। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा जताई है। उन्होंने समानता, न्याय और आपसी सम्मान के सिद्धांतों और कश्मीर मुद्दे के समाधान के आधार पर भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा व्यक्त की है। भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा जताने वाले शहबाज शरीफ आंतकवाद के मुद्दे पर चुप्पी साधे रखे हैं। जबकि भारत पाकिस्तान को बार-बार आतंकवाद के खिलाफ एक एक्शन की याद दिलाता रहा है।

पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार से आतंकवाद और कश्मीर मुद्दे को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच शरीफ ने अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सहायक भूमिका निभाने का भी आग्रह किया। डॉन अखबार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) के हवाले से बताया कि शरीफ ने गुरुवार को पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलिया के नवनियुक्त उच्चायुक्त नील हॉकिन्स के साथ बैठक के दौरान ये विचार व्यक्त किए।

शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान समानता, न्याय और आपसी सम्मान के सिद्धांतों के आधार पर भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है। इस संदर्भ में, प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.) प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुसार जम्मू कश्मीर विवाद का एक उचित और शांतिपूर्ण समाधान अपरिहार्य है। अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को इस संबंध में एक सहायक भूमिका निभानी होगी, क्योंकि यह दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है।

भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में इस्लामाबाद के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है। भारत ने यह भी कहा है कि आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। शरीफ की यह टिप्पणी भारत द्वारा जम्मू कश्मीर में रहने वाले गैर-स्थानीय लोगों को मतदान सूची में अपना नाम दर्ज कराने और केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव में मतदान करने की अनुमति देने के निर्णय के कुछ दिनों बाद आई है। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले, राज्य संबंधी कानून के तहत केवल जम्मू कश्मीर के स्थायी निवासी मतदान के हकदार थे।

संबंधित घटनाक्रम में, विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि वह जम्मू कश्मीर में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के लिए बाहरी कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों सहित अस्थायी निवासियों को भी अनुमति देने की भारत की घोषणा को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह जम्मू-कश्मीर में तथाकथित चुनावों के परिणाम को प्रभावित करने और चुनाव पूर्व धांधली और खुले तौर पर हेरफेर के प्रयासों को प्रभावित करने के लिए भारत की सोची समझी रणनीति है।

ई.डी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि अन्य को दस्तावेजों के परीक्षण और इस केस में हुए बैंक लेनदेनों की जांच के बाद तलब किया जाएगा।

इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के गढ़ में अपनी पैठ बनाने को लेकर अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे में सिसोदिया को साथ लेकर जा रहे हैं। केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा कि गुजरात में दिल्ली की भांति ही बेहतर स्कूल, बेहतर अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक्स का गठन कर शिक्षा और स्वास्थ्य की गारंटी के आप पार्टी के वादे को स्पष्ट करने के लिए सिसोदिया को अपने साथ लेकर जा रहे हैं। गुजरात में भी बेहतर शिक्षा और इलाज नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

ये दोनों ही सोमवार को गुजरात के हिम्मत नगर और मंगलवार को भावनगर में होंगे। दिल्ली की आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर अपने आवास पर शुक्रवार को मारे गए सी.बी.आई. छापे के बाद सिसोदिया की दिल्ली से बाहर की यह पहली यात्रा होगी।

'भाजपा केजरीवाल में मोदी के खिलाफ सशक्त...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चतुराई पूर्ण प्रबंधन और दिल्ली के स्कूलों तथा एजुकेशन सिस्टम के ''शानदार'' कायापलट को लेकर दिल्ली सरकार को बदनाम करना है।''

सिसोदिया कहते हैं कि आप पार्टी की सरकार पर भाजपा के वर्तमान प्रहार का कारण दिल्ली सरकार की शिक्षा नीति की किसी अन्य द्वारा नहीं बल्कि न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा प्रशंसा करना है। भाजपा आप सरकार को मिली अन्तर्राष्ट्रीय प्रशंसा को नहीं पचा पायी और उनके खिलाफ की गई वर्तमान कार्रवाई उनके बॉस केजरीवाल पर भाजपा का एक सीधा प्रहार है।

उन्होंने खुलासा किया कि ''पहले तो उन्होंने हमारे स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन को जेल में डाला और अब मेरे पीछे पड़ गए हैं। मुझे आशंका है कि उनकी योजना मुझे भी जेल भेजने की है।''

सिसोदिया ने कहा कि देश की जनता ने आप सरकार के अच्छे कार्यों की प्रशंसा की है, खासतौर पर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में किए गए कार्यों की और इस उपलब्धि ने भाजपा में छटपटाहट पैदा कर दी है।

उन्होंने कहा कि ''आप'' का सुशासन मॉडल और जनता के कल्याण के प्रति केजरीवाल का पूर्ण समर्पण, भाजपा की राजनीतिक नौटंकी और गैर भाजपा शासित राज्यों की सरकारें गिराने के तरीके ढूंढने में मोदी के पूर्ण समर्पण के विपरीत है।

सिसोदिया ने कहा कि ''भाजपा शासित केन्द्र सरकार आबकारी घोटाले को लेकर चिंतित है क्योंकि वह उन्हें आगामी लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी के मुख्य चुनौतीपूर्ण के रूप मे देखती है।''

सिसोदिया ने किसी प्रकार के भ्रष्टाचार से इंकार करते हुए कहा कि आबकारी नीति को पूर्ण पारदर्शिता के साथ लागू किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें आशंका है कि आगामी दिनों में उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, लेकिन यह कदम उनकी पार्टी को अच्छे कार्य करने से नहीं रोक पाएगा।

उन्होंने दोहराया कि दिल्ली के एजुकेशन मॉडल पर गुरूवार को न्यूयॉर्क टाइम्स के प्रथम पृष्ठ पर छपी खबर को लेकर केन्द्र सरकार उद्वेलित थी।

सी.बी.आई. ने सिसोदिया के दिल्ली स्थित आवास के अलावा सात राज्यों के 31 अन्य स्थलों पर तलाशी अभियान चलाया। आबकारी नीति के उल्लंघनों को लेकर दर्ज सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. में 15 आरोपियों के नामों की लिस्ट है, जिसमें सिसोदिया शीर्ष पर हैं। कुल 11 पृष्ठों के दस्तावेज में जो अपराध सूचीबद्ध हैं, उनमें भ्रष्टाचार, आपराधिक षड़यन्त्र और खातों में हेरा फेरी करना है।

गत नवम्बर माह में लागू की गई आबकारी नीति के तहत शराब की दुकानों के लायसैंस प्राइवेट पार्टियों को दिए गए, लेकिन दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफैंस विंग ने इसकी जांच शुरू की तो सिसोदिया ने इस नीति को वापस ले लिया।

सी.बी.आई. का कहना है कि सिसोदिया ने एक नई नीति लागू की, जिसमें लैफ्टिनैंट गवर्नर की अनुमति के बिना यह तय किया गया कि दिल्ली में शराब बेचने की इजाजत किसे दी जाएगी।

लैफ्टिनैंट गवर्नर दिल्ली में केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि हैं।

सी.बी.आई. ने अपनी एफ.आई.आर. में दावा किया कि एक शराब व्यवसायी ने सिसोदिया के साथी की एक कम्पनी को 1 करोड़ रूपए दिए थे।

जांच एजेंसी का आरोप है कि आबकारी नीति के निर्माण और क्रियान्विति में बरती गई अनियमितताओं में शराब कम्पनियां और मध्यस्थ सक्रिय रूप से शामिल थे।

दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने सिसोदिया पर छापे पड़ने के बाद गत सायं 12 आई.ए.एस. अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश दिए।

लैफ्टिनैंट गवर्नर ने पिछले माह यह आरोप लगाते हुए सी.बी.आई. जांच की मांग की थी कि आप सरकार ने मनीष सिसोदिया से लेकर सरकार के प्रमुख लोगों को वित्तीय लाभ पहुंचाने के एक मात्र उद्देश्य को ध्यान में रख आबकारी नीति लागू की थी।

स्टैण्ड अप कमीडियन पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की अनुमति दे दी। और भी खास बात यह रही कि पुलिस ने एहतियातन कुछ लोग गिरफ्तार भी कर लिये तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी ताकि कोई अप्रिय घटना नहीं घटे।

यह शो शनिवार को हो रहा हैं।

शहर की पुलिस ने भाजपा विधायक टी. राजासिंह को शुक्रवार को ही गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उन्होंने अपने समर्थकों का आव्हान किया था कि वे मुनव्वर फारूक़ी के शो में बाधा डालें। भाजपा के इस जनप्रतिनिधि ने कॉमेडियन फारूक़ी के खिलाफ वही कारण दिये थे, जो बेंगलुरू के ऐक्टिविस्टों ने दिये थे। भाजपा विधायक ने कहा था कि फारूक़ी का ट्रैक रिकार्ड हिन्दू देवताओं को अपमानित करने का रहा हैं।

इससे पूर्व, भाजपा विधायक ने कहा था कि अगर शो जारी रहा, तो उनके कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल को आग लगा देंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि जो कुछ भी घटित होगा, उसके लिये तेलंगाना सरकार एवं पुलिस जिम्मेदार होगी। गिरफ्तार कर लिये जाने के बाद, भाजपा विधायक ने सोशल मीडिया पर कहा कि ''आज मुझे तेलंगाना पुलिस ने नजरबन्द कर दिया है। टी.आर.एस. सरकार पूरी तरह हिन्दू-विरोधी पार्टी हो गई हैं। 22 अगस्त को जो कुछ होगा, उसके लिये टी.आर.एस. सरकार तथा तेलंगाना पुलिस जिम्मेदार होगी।

राजनैतिक विश्लेषक हिन्दुत्व-समर्थक संगठनों की इस कार्यवाही को ऐसी भावनाएं भड़काये जाने के रूप में देख रहे हैं, जो हिन्दू वोटों को भाजपा के पक्ष में एकजुट करने में मदद कर सकती हैं। तेलंगाना में, भाजपा इस मामले में सीधे ही कूद गई है तथा उसने धमकियाँ एवं चेतावनियाँ भी जारी कर दी हैं। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने की टी.आर.एस. के उद्देश्य के साथ भाजपा प्रतियोगिता में आने की कोशिश कर रही हैं। सम्भवत:, किसी मज़ाक को समझ पाने की क्षमता के अभाव में, राजनैतिक दल अपनी आलोचना को लेकर कुछ-कुछ असंवेदनशील हो गये हैं। वस्तुत:, वे कटाक्ष या मज़ाक को समझने में ही असमर्थ हैं।

कॉमेडियनों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने के बहुत से उदाहरण हैं, जैसे राजस्थान के श्याम रंगीला के साथ हुआ था। रंगीला ने पेट्रोल पम्प को पृष्ठभूमि के रूप में काम में लेते हुये, जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ने पर कटाक्ष किया, तो उन्हें घेर लिया गया था। पेट्रोल की ऊँची कीमतें एक ऐसा विषय है जिससे सत्तारूढ़ भाजपा के बहुत से लोग बहुत ज्यादा उत्तेजित हो जाते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI

NEXA

GOTTA BE TOUGH. BE THE TOUGH URBAN.

Tough, sporty and comfortable. That's the Tough Urban.
Now, tackle the city in style.

CREATE. INSPIRE.

IGNIS

Scan the QR code for more details about the Ignis.

IGNIS
COMPACT URBAN SUV

17.78 cm Smartplay Studio
(Available from Zeta variant onwards)

High Ground Clearance
and SUV-LIKE stance

Auto Gear Shift

Spacious and Comfortable Interiors

1.2L VVT Petrol Engine

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
- FULL FRONTAL IMPACT
- FRONTAL OFFSET IMPACT
- SIDE IMPACT

Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO www.nexaexperience.com TO AVAIL EXCITING OFFERS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JODHPUR: NEXA SHASTRI CIRCLE (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013811).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*Finance scheme details mentioned above are at the sole discretion of financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. For more details, please contact your nearest NEXA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice.